दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। गुरुवार 09 अक्टूबर-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 290 पेज-09 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

बिहार कांग्रेस की बैठक में 25 सीटों पर लगी मुहर

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बुधवार को दिल्ली में बिहार कांग्रेस की मुख्य चुनाव समिति की बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी ने 25 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगा दी गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पार्टी 2020 के चुनाव में जीते अपने सभी विधायकों को दोबारा टिकट देने की तैयारी में है। बता दें कि महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है। पार्टी की इस बैठक में बिहार स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन अजय माकन सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

राजद पर दबाव बनाने की कोशिश : बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने बताया कि सीट बंटवारे को लेकर जो भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है, उसके बीच दिल्ली में इस बड़ी बैठक का आयोजन हमारे सहयोगियों के लिए साफ संदेश है कि हम अब पीछे नहीं हटेंगे। स्क्रीनिंग कमेटी जिन सीटों पर मुहर लगाएगी, वही सीटें कांग्रेस लड़ेगी। अब इसमें कोई प्रतीकात्मकता या दिखावा नहीं रहेगा।ह्व पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस का यह कदम एक रणनीतिक दबाव बनाने की कोशिश है, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि वह ह्यहाई-स्टेक्सह्व बिहार चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है।

अधिकांश विधायकों को टिकट देगी पार्टी: राजेश राम : बता दें कि बैठक के बाद जानकारी देते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने बताया कि पार्टी बिहार में मौजूद अपने अधिकांश विधायकों को फिर से टिकट देने जा रही है। यानी कि पार्टी के किसी भी मौजूदा विधायक का टिकट नहीं कटने वाला है।

वायुवीरों ने जमीन से लेकर आसमान तक दिखाए जौहर

हिंडन एयर बेस में वायुसेना प्रमुख बोले, हर वायु योद्धा पर हमें गर्व है

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारतीय वायु सेना का 93वां स्थापना दिवस गाजियाबाद के हिंडन एयर बेस में धूमधाम और जोश के साथ मनाया गया। इस दौरान भारतीय वायु सेना के वायु वीरों ने जमीन से लेकर आसमान तक जौहर दिखाएं। इस सालाना कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए एयर चीफ मार्शल वायु सेना प्रमुख एपी सिंह ने कहा है कि भारत ने जिस तरीके से ऑपरेशन सिंदूर के तहत केवल चार दिन में दुश्मनों को धूल चटाई। तो वहीं तिरंगे की आन-बान-शान कम नहीं होने दी। उन्होंने कहा कि हर वायु योद्धा पर उन्हें गर्व है। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस तरीके से 1947, 65, 71, 1999 और 2019 में बालाकोट में भारतीय वायु सेना ने अपने साहस, ताकत और तकनीक का प्रदर्शन किया था वैसा ही हम आगे भी करते रहेंगे।

93वां भारतीय वायुसेना दिवस — शौर्य, पराक्रम और तकनीक का दिखा संगम

मुख्य अतिथि वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, और नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी रहे मौजूद

सभी फोटो : उदयवीर सिंह

एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह का संदेश

करंट क्राइम : वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने अपने भाषण में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता भारतीय वायुसेना की तैयारी और सटीकता का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि विजय का जश्न मनाते हुए हमें भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उनका कहना था कि सफलता टीमवर्क और सामूहिक शक्ति से मिलती है, इसलिए वायुसेना को न केवल अपने भीतर, बल्कि अन्य रक्षा सेवाओं और संगठनों के साथ सहयोग बढ़ाना चाहिए। वायु सेना प्रमुख ने कहा है कि भारतीय वायुसेना की शक्ति सब जानते हैं। भारतीय वायुसेना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना है। इसके पास 1,700 से अधिक विमान और 1.4 लाख से ज्यादा कर्मी हैं। वायुसेना के पास त्याधुनिक फाइटर जेट्स हैं, जिन्हें माइटी हंटर कहा जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर हवाई शक्ति की बताई ताकत

करंट क्राइम : इस मौके पर देश की रक्षा करने वाले वायु सेना के वीर जवानों को सम्मानित किया गया। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि इस दिन का जश्न मनाते हुए हम भारतीय वायुसेना की बहादुरी, समर्पण और अडिग भावना को नमन करते हैं, जिन्होंने हमारे देश के आसमान को सुरक्षित रखा है।

सीडीएस और तीनों सेना प्रमुख रहे मौजूद

करंट क्राइम : इस विशेष अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह , आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी हिंडन एयरबेस पहुंचे कार्यक्रम में शिरकत की। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने समारोह के दौरान आयोजित परेड का निरीक्षण किया। जिसमें देश के आकाश के रक्षकों को ऑपरेशन सिंदूर में उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया। इस परेड में वायु सैनिकों ने भव्य मार्च पास्ट किया, वहीं लड़ाकू विमान रनवे पर प्रदर्शित किए गए, जिससे दर्शकों ने भारत की हवाई ताकत और उसकी सटीकता को करीब से देखा।

टाइगर मौथ, हार्वर्ड और एयर वॉरियर ड्रिल ने सभी को किया आकर्षित

करंट क्राइम : भारतीय वायुसेना के 93वें स्थापना दिवस के अवसर पर हिंडन एयर बेस में इस बार एयर शो तो नहीं आयोजित हुआ। पर भारतीय वायुसेना के विंटेज विमान टाइगर मौथ, हार्वर्ड और एमआईजी-21 की प्रस्तुति ने सभी को रोमांचित कर दिया। तो वहीं जमीन पर तरंगों की तरह कर्तव्य दिखाते हुए वायु सेना के वीर और एयर वॉरियर टीम ने भी लोगों को आनंदित और आश्चर्यचकित कर दिया।

वायु सेना के इन विमानों की हिंडन में दिखी ताकत

करंट क्राइम : हिंडन एयर बेस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जहां भारतीय वायु सेवा के युद्धक विमान ग्लोब मास्टर, अपाचे, रोहिणी रडार, मिग- 21, आकाश मिसाइल, मार्क 3, सुपर हरक्यूलिस सहित अन्य प्रमुख विमानों की झलक देखने को मिली। तो लोगों ने उनके साथ फोटोग्राफी भी की।

जब वायु सेना प्रमुख ने तोड़ा सुरक्षा का घेरा और लोगों से लगवाए भारत माता की जय के नारे

करंट क्राइम : हिंडन वायु सेना के ग्राउंड में स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान भारतीय वायु सेना प्रमुख विंटेज मर्सिडीज सफेद कलर की गाड़ी में सवार थे। वह गाड़ी से उतरे और जनता के बीच पहुंचे। हाथ हिलाया लोगों से कहा कि वह जोर से भारत माता की जय के नारे लगाएं। इस दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात की और भारतीय वायु सेना का लगातार हौसला बढ़ाने की अपील कर गए।

वायु सेना के 97 जांबाजों को सम्मानित

करंट क्राइम : हिंडन एयरबेस पर आयोजित समारोह में वायु सेना के 97 बहादुर अधिकारियों और जवानों को उनकी बहादुरी और देश की सेवा के प्रति समर्पण के लिए पदक और सम्मान प्रदान किए गए। विशेष सम्मान में वायु सेना प्रमुख ने विक्की पहाड़ी की पत्नी, रीमा पहाड़ी को गैलंट्री मेडल प्रदान किया। तो वहीं 97 जांबाज अधिकारियों और जवानों को पदक और सम्मान पत्र देकर उनकी वीरता और योगदान को मान्यता दी गई। यह सम्मान देश की सुरक्षा में उनकी निस्वार्थ सेवा और साहस के प्रतीक के रूप में दिया गया। समारोह में उपस्थित उच्चस्तरीय वायु सेना अधिकारी, जवान और विशेष अतिथि इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस अवसर ने वायु सेना की निष्ठा, समर्पण और साहस को जनता के समक्ष उजागर किया।

जूता फेंकने की घटना निंदनीय, यह न्याय व्यवस्था नहीं बल्कि सनातन की गरिमा पर आघात है : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर उनकी ही कोर्ट में जूता उछालना एक निंदनीय घटना है। जब यह घटना किसी वकील द्वारा की गई है तब तो और भी गंभीर हो जाती है। वकील न्याय प्रक्रिया का एक आवश्यक अंग है। उसके पास कई विकल्प हैं लेकिन वह सारे विकल्प छोड़कर अपने वकालत से आगे जाकर जूता फेंकता है तो यह उसकी असफलता को ज्यादा रेखांकित करती है। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर पक्ष और विपक्ष में बहुत सारे मत व्यक्त किए जा रहे हैं। मैंने कई अच्छे विचारशील लोगों के मत सुने। वे न्याय व्यवस्था की अव्यवस्थाओं से आहत हैं। न्यायालयों में धार्मिक आधार पर न्याय मिलने में देरी या शीघ्रता से नाराज हैं। न्यायालयों की अति सक्रियता से चिंतित हैं। न्याय मिलने में देरी से पीड़ित हैं, आदि। ये सारे कारण सही हो सकते हैं लेकिन इन सारे कारणों से सोमवार को घटी घटना के औचित्य को सही नहीं ठहराया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकना निंदनीय और असंवैधानिक कृत्य — यह न्यायपालिका और लोकतंत्र की गरिमा पर हमला है।

सनातन धर्म को आड़ बनाकर हमला करना गलत — इस घटना का धर्म से कोई संबंध नहीं, बल्कि यह धर्म के नाम पर भ्रम फैलाने का प्रयास है।

बीआर गवई का संयमित रुख सराहनीय — उन्होंने सहिष्णुता दिखाते हुए आरोपी को माफ कर दिया, जो उनके पद की गरिमा के अनुरूप है।

अगर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर भी इस घटना का कारण न्याय व्यवस्था से नाराजगी बताते तो उनका यह कृत्य एक बार स्वीकार्य होता लेकिन उसने सनातन का अपमान बताकर सनातन धर्म को छोटा करने का प्रयास किया है। महाभारत के युद्ध में अर्जुन ने भीष्म पितामह के वध के लिए शिखंडी को आगे करके उन पर बाण चला कर उन्हें धराशायी किया था। ऐसे ही बहुत सारे लोग सनातन धर्म को आगे रख कर सर्वोच्च न्यायालय पर हमले कर रहे हैं। इसलिए उनका यह कार्य न तो सनातन का कोई हित करने वाला है और न न्याय व्यवस्था में किसी सुधार को जन्म देने वाला है।

हिंदुत्व की विशालता को कमजोरी न समझें — हिंदू धर्म की विविधता उसकी ताकत है, पाखंड और दिखावे के पीछे उसका असली संदेश न खो जाए।

वकील का ऐसा व्यवहार उसकी पेशेवर असफलता को उजागर करता है — न्याय पाने के कई वैध मार्ग होते हैं, हिंसक प्रदर्शन उनमें से नहीं।

अगर राकेश किशोर सच में सीनियर लायर हैं तो उनमें इस समझ की अपेक्षा तो की जाती ही है कि उनके इस कृत्य का लोग दलित पर गैर दलित का हमला बताकर समाज में विभाजन की रेखाएं गहरी करेंगे। साथ ही सनातन को क्षुद्र बताकर उस पर आक्रमण तेज करेंगे। उन्होंने अपने इस कृत्य से सनातन विरोधियों को घर बैठे एक हथियार थमा दिया है।

न्यायमूर्ति बीआर गवई ने इस घटना पर जो रुख अपनाया वह उनके पद की गरिमा के अनुकूल और उनकी सहिष्णुता को प्रकट करता है। उन्होंने इस घटना को अनदेखा भी किया और राकेश किशोर को पुलिस हिरासत से मुक्त करा दिया।

जाने-अनजाने आजकल बहुत सारे कथित हिंदुत्ववादी बात तो हिंदुत्व की विशालता की करते हैं लेकिन वे जाने अनजाने हिन्दू धर्म की जो विशालता है, जिन गुणों से हिंदुत्व की महानता प्रकट होती है उन्हें हिंदुत्व की कमजोरी समझते हैं।

हिंदुओं में एक देवता, एक पुस्तक न होना हिंदुत्व की ताकत है, कमजोरी नहीं है। गैर हिन्दू की जिन कमजोरियों की आलोचना होती है, उन्हें हिन्दू धर्म में ढूंढना अपने आप में बड़ी विसंगति है।

बीआर गवई का यह कथन कि 'जाओ अब अपने ईश्वर से ही प्रार्थना कहो' कोई नई बात नहीं है। अभी दो वर्ष पूर्व जब सारे विश्व में कोरोना महामारी में सारे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, गिरजाघर बंद हो गए, तब बहुत सारे लोग ऐसे ही प्रश्न पूछ रहे थे – ईश्वर के घर भी कोरोना से नहीं बचे?

आए दिन धार्मिक यात्राओं पर जाने वाले भक्त ही असमय हुई दुर्घटना से काल के गाल में समा जाते हैं। इस सारी सृष्टि के संचालन और नियमन की एक अलग व्यवस्था है, जो न्याय पर आधारित भी है और नियमबद्ध भी है। बस हमारी अज्ञानता उसे ठीक से जानने में बाधक है।

कई लोग जिसे हिंदू जागरण समझते हैं, बहुत सारे लोग उसकी आड़ में पाखंड खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने किया नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने नवी मुंबई इंटरनेशल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन के बाद वह मुंबई मेट्रो लाइन-3 के अंतिम चरण का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी ने एयरपोर्ट का उदघाटन किया और फिर एयरपोर्ट का वर्चुल विजिट किया। इस दौरान पीएम यहां आए स्पेशल बच्चों से भी मिले और उनके साथ बातचीत की।

यह नया ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा अडानी समूह द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत बनाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन समारोह के दौरान नवनिर्मित नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निरीक्षण किया। यह हवाई अड्डा इस साल दिसंबर में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह की व्यावसायिक उड़ानों के लिए खोल दिया जाएगा।

19650 करोड़ रुपये से बना

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के पहले चरण का निर्माण 19650 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह भारत की सबसे बड़ी ह्यग्रीनफील्डह्ल हवाई अड्डा परियोजना है जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के अंतर्गत विकसित किया गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में एनएमआईए छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) के साथ मिलकर कार्य करेगा ताकि भीड़भाड़ कम हो और मुंबई को वैश्विक बहु-हवाई अड्डा प्रणालियों की श्रेणी में शामिल किया जा सके।

प्रधानमंत्री आचार्य अत्रे चौक से कफ परेड तक फैली मुंबई मेट्रो लाइन-3 के चरण 2बी का उद्घाटन करेंगे जिसका निर्माण लगभग 12,200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से हुआ है। इसके साथ ही वह 37,270 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत वाली पूरी मुंबई मेट्रो लाइन 3 (एक्वा लाइन) राष्ट्र को समर्पित करेंगे जो शहरी परिवहन परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी। मोदी ह्यमुंबई वन ऐपह्ल की भी शुरूआत करेंगे जो कई सार्वजनिक परिवहन ऑपरेटर के लिए एकीकृत मोबाइल टिकटिंग समेत यात्रियों को कई लाभ प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री महाराष्ट्र में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग की एक अग्रणी पहल अल्पकालिक रोजगार योग्यता कार्यक्रम (एसटीईपी) का भी उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम 400 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) एवं 150 सरकारी तकनीकी उच्च विद्यालयों में शुरू किया जाएगा और यह रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की दिशा में एक बड़ी पहल होगी।

'आजम खान पार्टी की धड़कन, पुराने लोगों की बात ही अलग...', अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से मुलाकात की। लंबे वक्त बाद हुई इस मुलाकात को सपा खेमे में बेहद अहम माना जा रहा है। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा, 'मैं जेल में आजम साहब से मिलने नहीं जा पाया था, लेकिन अब आया हूं। आजम खान हमारी पार्टी की धड़कन हैं। पुराने लोगों की बात ही अलग होती है।'

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि आजम खान और उनके परिवार को झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा अपने पुराने साथियों के साथ खड़ी है।

'जितनी गहरी जड़ें, उतना ही बड़ा साया' : मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा, 'मैं पहले नहीं पहुंच पाया था, इसलिए आज उनके घर मिलने और हालचाल पूछने आया हूं। आजम खान बहुत पुराने नेता हैं और पुराने नेताओं की बात ही कुछ और होती है। वे हमारी पार्टी के दरख़्त हैं, जिनकी जितनी गहरी जड़ें हैं, उतना ही बड़ा साया हमारे साथ है।'

अखिलेश ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, ह्लबीजेपी पार्टी शायद गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहती है कि आजम खान पर सबसे ज्यादा केस दर्ज हों। आजम साहब, उनकी पत्नी और बेटे अब्दुल्ला पर झूठे केस लगाए गए हैं।'

क्या हैं इस मुलाकात के सियासी मायने ?

इस मुलाकात को पार्टी में पुराने नेताओं की नाराजगी दूर करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। हाल के दिनों में आजम खान की चुप्पी और सपा नेतृत्व से उनकी दूरी के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे थे। अखिलेश की यह मुलाकात उस दूरी को पाटने की पहल मानी जा रही है।

बता दें कि रामपुर की राजनीति में आजम खान हमेशा समाजवादी पार्टी का अहम चेहरा रहे हैं। मुलायम सिंह यादव के जमाने से वे पार्टी के बुनियादी स्तंभों में गिने जाते रहे हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में आजम खान पर जमीन कब्जे, भैंस चोरी, बिजली चोरी जैसे कई मामलों में मुकदमे दर्ज हुए। इन मामलों में वे लंबे समय तक जेल में भी रहे।

कैसे बढ़ी थी दूरी? : इसी दौरान समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और आजम खान के बीच दूरी बढ़ने की चर्चा तेज हुई। आजम के समर्थकों ने कई बार खुलकर नाराजगी जताई कि पार्टी ने उनके साथ अन्याय होने पर पर्याप्त आवाज नहीं उठाई।

कफ सिरप कांड : तीन और मासूमों की गई जान मध्य प्रदेश में अब तक 20 बच्चों की मौत की पुष्टि

'कोल्ड्रिफ' के मालिक होंगे गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 24 घंटों में तीन और मासूमों ने दम तोड़ दिया। अब मरने वालों की संख्या 20 पर पहुंच गई है। छिंदवाड़ा में 17, पांढुर्ना में एक और बैतूल में दो बच्चों की मौत हो चुकी है। पांच बच्चे अब भी नागपुर में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। अब कोल्ड्रिफ बनाने वाली कंपनी के ऑनर को गिरफ्तार किया जाएगा। उसे पकड़ने के लिए दो टीम चेन्नई और काछीपुरम पहुंच चुकी हैं।

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में छिंदवाड़ा, पांढुर्ना और बैतूल को मिलाकर अब तक 20 बच्चों की जान जा चुकी है। सरकार बहुत सख्त है। आरोपी कंपनी, कोल्ड्रिफ बनाने वाली कंपनी के ऑनर को गिरफ्तार करने के लिए छिंदवाड़ा पुलिस की टीम चेन्नई और काछीपुरम पहुंच चुकी है। आईएनएस के हड़ताल पर जाने पर शुक्ल ने कहा कि वो हड़ताल पर न जाएं, अपना काम करें। चार साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरफ न देने की जो भारत सरकार, आईसीएमआरसी की एडवायजरी है, उसका पालन करने का निवेदन किया है। शुक्ल ने कहा कि मैं कल नागपुर में गया था। वहां पांच बच्चे भर्ती हैं। वहां परिजनों से मिला और बच्चों की देखा। सभी लोग बच्चों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

बीते 24 घंटे में तीन बच्चों की मौत : बता दें कि नागपुर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज के दौरान तामिया की धानी डेहरिया (डेढ़ वर्ष), जुन्नारदेव के ज्यांशु यदुवंशी (2 वर्ष) और रीधोरा के वेदांश पवार (ढाई वर्ष) ने दम तोड़ दिया है। इन मौतों के बाद छिंदवाड़ा जिले में मृतकों की कुल संख्या 17 तक पहुंच गई है। पांढुर्ना में भी एक जान पहले जा चकी है। बैतूल में भी दो बच्चों की मौत हुई है। अब भी पांच बच्चे नागपुर के अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।

सिरप पीने के बाद बिगड़ी तबीयत, जांच में सामने आई बड़ी लापरवाही : जांच में सामने आया है कि कुछ निजी चिकित्सकों, जिनमें डॉ. प्रवीण सोनी का नाम प्रमुख है, ने बच्चों को ह्यकोल्ड्रिफ सिरपह्ल दी थी। सिरप पीने के कुछ घंटों बाद ही बच्चों की किडनी प्रभावित होने लगी और हालत लगातार बिगड़ती चली गई। मेडिकल जांच में इस सिरप में जहरीले रासायनिक तत्वों की मौजूदगी की पुष्टि हुई है, जो शरीर में पहुंचकर किडनी को नुकसान पहुंचा रहा था। इसी कारण कई बच्चों की मौत किडनी फेल होने से हुई।

प्रशासन ने कसी नकेल: मेडिकल स्टोर सील, सिरप जब्त : जैसे-जैसे मौतों की संख्या बढ़ी, छिंदवाड़ा जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी।

चिराग पासवान देंगे एनडीए को झटका! बिहार चुनाव में सीट शेयरिंग पर फंसा पेच?

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखें सामने आ चुकी हैं, लेकिन दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए और महागठबंधन में अब तक सीट बंटवारा नहीं हो पाया है। बैठकों के ताबड़तोड़ दौर के बावजूद, सीट शेयरिंग की गुत्थी उलझी हुई है। महागठबंधन में जहां छोटे सहयोगी दल उपमुख्यमंत्री पद और ज्यादा सीटों की मांग पर अड़े हैं, वहीं एनडीए में चिराग पासवान और जीतन राम मांझी की सीटों की संख्या और शर्तें मामले को अटका रही हैं। आज कोई फैसला होने की उम्मीद की जा रही है। अपडेट के लिए बने रहिए हमारे साथ...

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए इशारों में ठऊअ में 15 सीटों की डिमांड कर दी है। उन्होंने राष्ट्रकवि दिनकर की रश्मिरथी रचना की कुछ पंक्तियां लिख कर इसका इशारा दे दिया है। मांझी ने लिखा है कि 'हो न्याय अगर तो आधा दो, यदि उसमें भी कोई बाधा हो, तो दे दो केवल 15 ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम, ह्लअट वहीं खुशी से खाएंगे, परिजन पर असी ना उठाएंगे।'

जीतन राम मांझी ने मांगीं 15 सीटें

वाम दलों ने आरजेडी को दी 30 सीटों की लिस्ट : आरजेडी और सीपीआई (एम-एल) के बीच सीट बंटवारे की बातचीत अटक गई। लेफ्ट पार्टियों ने तेजस्वी यादव की पार्टी की 19 सीटों की पेशकश ठुकरा दी हैं। पिछले चुनाव यानी 2020 में भी वाम दल जिन सीटों से लड़े थे, वही उन्हें ऑफर किया गया था। लेफ्ट पार्टियां 40 से 45 सीटों की डिमांड कर रही है। सीपीआई (एमएल) नेतृत्व राजद द्वारा सोमवार को आरजेडी से पेश 19 सीटों की लिस्ट को सम्मान के खिलाफ बताया। मंगलवार को सीपीआई-एमएल ने आरजेडी को लगभग 30 सीटों की एक लिस्ट भेजी है। सूत्रों के अनुसार, वाम दल अपनी लिस्ट को फाइनल बता रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने किया चिराग से गठबंधन **से इनकार :** जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा चुनाव में लोजपा (रामविलास) से किसी प्रकार के गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि वह चिराग पासवान की पार्टी से गठबंधन नहीं करेंगे। जन सुराज का गठबंधन जनता से है।

बीजेपी की बैठक के बाद बोले केशव मौर्य, सीट बंटवारे से सब खुश रहेंगे : पटना, बिहार: केंद्रीय मंत्री और भाजपा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और सह-प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने पटना स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा चुनाव समिति की बैठक की अध्यक्षता की। केशव प्रसाद मौर्य ने बिहार में सीट बंटवारे पर कहा, एक बार सब कुछ तय हो जाए तो आपको बता दिया जाएगा।

कर्फ्यू में और ढील...लेह हिंसा के बाद से बंद पड़े कॉलेज फिर खुले

अब रात आठ बजे तक खुलेंगी दुकानें

लेह। लेह हिंसा के बाद जिले में लगातार हालात सुधर रहे हैं। प्रशासन ने मंगलवार को कर्फ्यू में और ढील देने का एलान करते हुए बाजारों के खुलने का समय बढ़ा दिया है। अब बुधवार से लेह में हिंसा के बाद से बंद पड़े कॉलेज फिर से खुलेंगे।

लेह के बाजारों में रही चहल-पहल

दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का समय बढ़ाया गया है। अब ये सुबह 7:00 बजे से रात 8:00 बजे तक खोले जा सकेंगे। पहले सुबह सात से शाम छह बजे तक दुकानें खोलने की अनुमति दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि कई दिनों से स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है जिसके कारण प्रतिबंधों में धीरे-धीरे ढील दी जा रही है।

जिलेभर के स्कूल पहले से सुचारु रूप से चल रहे हैं। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं नियमित रूप से शुरू हो चुकी हैं जिससे शहर के भीतर और आसपास आवाजाही आसान हो गई है। हालांकि इंटरनेट सेवाएं अभी निलंबित हैं। इसे लेकर अधिकारियों ने सुरक्षा और निगरानी संबंधी चिंताओं का हवाला दिया है।

उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल प्रशासन जमीनी हालात का आकलन करने और सामान्य जनजीवन बहाल होने के साथ शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए रोजाना समीक्षा बैठकें कर रहा है। प्रतिबंधों में दी जा रही ढील पर लेह के लोगों ने कहा है कि इससे आम लोगों के साथ ही व्यापारियों को राहत मिलेगी। दैनिक गतिविधियों के धीरे-धीरे बहाल होने से लेह के निवासियों को उम्मीद है कि जल्द ही पूरी तरह से सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी और प्रतिबंध पूरी तरह हट जाएंगे।

लेह के बाजारों में मंगलवार को काफी चहल-पहल देखी गई। स्थानीय लोग और पर्यटक लंबे समय के बाद दुकानों और कैफे में उमड़ पड़े। हालांकि बीएनएसएस अधिनियम की धारा 163 अभी भी लागू है। इस बीच, कारगिल में स्थिति सामान्य बनी हुई है।

बरेली बवाल: कानूनी चक्रव्यूह में फंसा मौलाना तौकीर

दस मुकदमों में होगी तलबी, कोर्ट में 14 अक्तूबर को सुनवाई

बरेली। फतेहगढ़ जेल में बंद आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां कानूनी दांवपेंच के चक्रव्यूह में फंस गया है। फिलहाल उसका जेल से निकलना मुश्किल नजर आ रहा है। कोतवाली के अलावा बवाल के दिन दर्ज नौ अन्य मुकदमों में साजिशकर्ता के रूप में तौकीर को नामजद किया गया है। इन मुकदमों के विवेचकों ने तौकीर का वारंट बी फतेहगढ़ जेल में दाखिल किया है। मौलाना की तलबी 14 अक्तूबर को की जानी है।

दंगा कराने में 2010 से मौलाना तौकीर का नाम कई बार उछलता रहा है, लेकिन मौलाना पर कभी बड़ी कार्रवाई नहीं हो सकी। कभी सत्ताधारियों का करीबी होने का मौलाना को फायदा मिला तो कभी सरकारों ने दरगाह परिवार से जुड़ाव के मद्देनजर तौकीर को रियायत बख्श दी। इस बार 26 सितंबर को प्रदर्शन का आह्वान करके मौलाना तौकीर ने मुसीबत मोल ले ली। मौलाना फतेहगढ़ जेल में और उसके खास गुर्गे बरेली जेल में बंद हैं।

पांच थानों में दर्ज हैं दस मुकदमे : 26 सितंबर को शहर में हुए बवाल के बाद पुलिस ने पांच थानों में दस मुकदमे दर्ज किए थे। इनमें से कोतवाली के पांच मुकदमों समेत सात में मौलाना तौकीर का नाम शामिल था। चूंकि आयोजन तौकीर रजा के ही बुलावे पर होना था, इसलिए बाकी मामलों में भी साजिशकर्ता के तौर पर तौकीर का नाम जोड़ा गया है।

इस तरह हालिया नौ मुकदमों में तौकीर को आरोपी बनाया गया है। इन नौ मामलों में बी वारंट फतेहगढ़ जेल में दाखिल किया गया है। इसके अलावा वर्ष 2019 में सीएए एनआरसी मामले में निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने का मामला अभी तक कोतवाली में प्रचलित था, इसके विवेचक ने भी मौलाना को अपने मामले में आरोपी बताकर बी वारंट दाखिल किया है।

सोमवार को टली सुनवाई, अब 14 अक्तूबर को होगी : शुरू में सात मामलों में मौलाना को तलब कराने के लिए बी वारंट दाखिल किया गया था। इसके लिए सोमवार को सुनवाई होनी थी। बताते हैं कि फतेहगढ़ जेल प्रशासन ने स्टाफ की कमी की मजबूरी जताई तो सुनवाई टल गई। अब 14 अक्तूबर की तारीख सुनवाई के लिए लगी है।

तौकीर को इस दिन फतेहगढ़ जेल से लाकर बरेली कोर्ट में पेश किया जा सकता है। चूंकि जल्द ही दीपावली है, इसलिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई होने के आसार ज्यादा हैं। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि मौलाना तौकीर रजा से संबंधित सभी मुकदमों में विवेचना से लेकर गिरफ्तारी तक उच्च अधिकारियों की देखरेख में चल रही है। निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई की जा रही है।

मौलाना को दी जा रहीं ज्ञानवर्धक पुस्तकें : मौलाना तौकीर रजा 27 सितंबर से फतेहगढ़ सेंट्रल जेल की तन्हाई बैरक में बंद है। वहां

बेरोजगार बस मार्शल सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतने के लिए तैयार, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के खिलाफ बेरोजगार सिविल डिफेंस बस मार्शल सड़कों पर उतरने को तैयार हैं। लगभग 10 हजार से अधिक बेरोजगार मार्शलों ने अपने स्थायी रोजगार बहाली की मांग को लेकर बुधवार को जंतर-मंतर पर बड़ा विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है।

इनमें महिलाएं और पुरुष जवान शामिल होंगे, जो भाजपा सरकार की चुनावी वादों को पूरा न करने पर खुली चुनौती दे रहे हैं। ऐसे में दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा की कोठी से लेकर जंतर-मंतर तक मार्च प्रदर्शन की शुरूआत कल सुबह 7:30 बजे होगी। इसके अलावा सैकड़ों बेरोजगार मार्शल दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा से मुलाकात के लिए उनके आवास पर पहुंचेंगे।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि जब आम आदमी पार्टी सत्ता में थी, तब विपक्ष में भाजपा के दिल्ली विधायक विजेंद्र गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और नेता कपिल मिश्रा ने इन्हें पूर्ण रोजगार का आश्वासन दिया था। भाजपा सरकार बनने के बाद दो महीने में पक्की नौकरी देने का वचन दिया गया था, लेकिन आठ महीने बीतने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व बस मार्शल मुकेश पाल सिंह ने आरोप लगाया कि हमारे नेता वचन तो देते हैं, लेकिन कानों पर जूं नहीं रेंगती। मार्शलों का कहना है कि अगर भाजपा अपना वादा पूरा नहीं कर सकती, तो खुलकर कह दे।

डीबीसी कर्मचारी करेंगे सचिवालय तक मार्च : एमसीडी के जन स्वास्थ्य विभाग के डीबीसी व अन्य कर्मचारियों की हड़ताल लगातार नौवें दिन भी जारी है। उनका कहना है कि जब तक प्रशासन उनकी मांगों का समाधान नहीं करता, हड़ताल जारी रहेगी।

मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले को लेकर 10 अक्तूबर को पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेगी आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने देश के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने को लेकर 10 अक्तूबर को पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करने का एलान किया है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह मुख्य न्यायाधीश पर नहीं बल्कि भारत के संविधान, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों और भारत की आत्मा पर हमला है।

उन्होंने कहा देश इस बात से स्तब्ध है कि मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाला व्यक्ति खुलेआम टीवी पर आकर गर्व से कह रहा है कि उसे अपने कृत्य पर कोई अफसोस नहीं है, और फिर भी उसके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आप की मांग है कि मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने का प्रयास करने वाले शख्स को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक वीडियो (जैसे कि गले में हांडी बांधने की पुरानी, अपमानजनक प्रथा की याद दिलाने वाले वीडियो) और आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वाले सभी ट्विटर हैंडल और व्यक्तियों को तुरंत बैन कर व गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। गुरुवार 09 अक्टूबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

पिता की विरासत से पवन गोयल की सियासत का दिखा सशक्त पैगाम

श्रद्धांजलि सभा में उमड़ पड़ा जनसैलाब और रहा घंटों तक जाम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सामाजिक जीवन से लेकर राजनीति जीवन तक संबंधों की ऊष्मा को नापने का एक मानक ये भी होता है कि आपके गम में कितने लोग शरीक हुए हैं। खुशी में लोग बुलाए जाते हैं, मगर गम में लोग अपने आप आते हैं और यहीं से पता चलता है कि आपने समाज में क्या कमाया है। जीडीए बोर्ड सदस्य पवन गोयल और उनका परिवार वैश्य समाज का एक प्रतिष्ठित परिवार है। इस परिवार की अपनी एक विरासत है, अपनी एक पहचान है। परिवार के सबसे मजबूत स्तंभ और परिवार के मुखिया फतेहचंद गोयल का निधन हो गया।

फतेहचंद गोयल एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता, शिक्षाविद और सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपने पुत्रों से लेकर पौत्रों तक हमेशा सामाजिकता, परोपकार, सर्वकल्याण, सनातन और राष्ट्रवाद के संस्कार दिये। समाज में इस परिवार ने एक प्रतिष्ठा कायम की है। पवन गोयल के एक भाई जिला जज हैं। पवन गोयल स्वयं भाजपा की राजनीति में अपना एक अलग वजूद रखते हैं। पार्षद रहे हैं, क्षेत्रीय टीम में रहे हैं और मौजूदा समय में जीडीए बोर्ड सदस्य हैं।

पवन गोयल के पिता स्व. फतेहचंद गोयल की श्रद्धांजलि सभा में जो सनसैलाब उमड़ा वो इस बात का पैगाम था कि स्व. फतेहचंद गोयल अपने पीछे संबंधों की संस्कारों की जिस विरासत को छोड़कर गए हैं उस विरासत को उनके पुत्रों ने बखूबी संभाला है। यहां पर सामाजिक और राजनीतिक रूप से उनके पुत्र पवन गोयल मुखर रूप से रहते हैं। अन्य भाई भी सामाजिक हैं और संस्कृति से जुड़े हैं, लेकिन उनकी अपनी सीमाएं हैं। पवन गोयल राजनीति से जुड़े हैं तो वो सामाजिक और राजनीतिक फ्रंट पर रहते हैं।

स्व. फतेहचंद गोयल की श्रद्धांजलि सभा में उमड़ा जनसैलाब ये बताने के लिये काफी था कि इस परिवार की समाज में कितनी प्रतिष्ठा है। गोयल परिवार का सामाजिक नेटवर्क कितना मजबूत है। सबसे बड़ी ये है कि इस परिवार का व्यवहार सामाजिक वजूद कितना मजबूत है। पवन गोयल स्वयं राजनीति से हैं और राजनीति में कई बार लोग या तो छा जाते हैं या फिर समय के साथ गुमनामी में खो जाते हैं। मगर, राजनीतिक रूप से पवन गोयल ने क्या कमाया है ये उनके पिता की श्रद्धांजलि सभा में दिखाई दिया। पवन गोयल के पिता स्व. फतेहचंद गोयल की श्रद्धांजलि सभा में जिस तरह से समाज के सभी वर्गों के प्रतिष्ठित लोग श्रद्धांजलि देने के लिये पहुंचे वो एक पैगाम है।

कार्यक्रम 2 बजे से शुरू होना था, लेकिन लोग दोपहर 12 बजे से ही आना शुरू हो गये थे। कार्यक्रम 4 बजे तक चलना था, लेकिन इस कदर जन समूह उमड़ा कि यह कार्यक्रम शाम 6 बजे तक चला। लोग आते रहे, श्रद्धासुमन अर्पित करते रहे। ये केवल एक औपचारिक उपस्थिति नहीं थी बल्कि ये लोगों का प्यार भी था। एक ऐसी शोकसभा, श्रद्धांजलि सभा जिसमें हजारों लोग पहुंचे। सुख सगर फार्म हाउस के बाहर ये आलम रहा कि घटों तक जाम लगा रहा। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र का हमेशा से विशेष आशीर्वाद पवन गोयल पर रहता है। पवन गोयल के पिता फतेहचंद गोयल की श्रद्धांजलि सभा में भी विशेष सानिध्य देखने को मिला। कलराज मिश्र यहां काफी देर तक बैठे।

राजनीति की बात करें तो मिजोरम के राज्यपाल और गाजियाबाद के पूर्व लोकसभा सांसद जनरल वीके सिंह पहले ही गाजियाबाद आए और पवन गोयल के निवास पर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग शोकसभा में मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल शोक व्यक्त करने पहुंचे। नोएडा विधायक पंकज सिंह यहां आए। केवल भाजपा ही नहीं बल्कि अन्य दलों के सभी नेता भी पवन गोयल के दुख में शरीक हुए।

सीधा सा संदेश ये था कि ये जनसमूह वो है जो बुलाया नहीं गया है, ये पवन गोयल के दुख में शामिल होने के लिये अपने आप आया है। जाहिर सी बात है कि पवन गोयल सियासत के लीडर हैं और आलाकमान को उन्हें कंसिडर करना ही होगा। शहर में एक वजूद और समाज में एक प्रतिष्ठा एक दिन में नहीं आती है। इसे अर्जित करने में पूरी जिंदगी लग जाती है। ये एक पैगाम था कि पवन गोयल ने केवल राजनीति में ही नहीं बल्कि सामाजिकता में भी अपना एक रुतबा कायम रखा है।

समझ में नहीं आया दूरियों का फलसफा

बाल्मीकि जयंती पर क्यों दूरी बना गई सपा महिला सभा

केवल महिला नेत्री के रूप में मधु चौधरी आई नजर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : राजनीति का जब भी प्रश्न उठता है, तो आधी आबादी का जिक्र भी आवश्यक होता है लेकिन समाजवादी पार्टी में इन दिनों महिला पदाधिकारियों और नेत्रियों की दूरी बता रही है कि मामला ठीक नहीं है। मंगलवार को समाजवादी पार्टी की ओर से आरडीसी स्थित कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि जयंती का कार्यक्रम और पुष्पांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान जहां समाजवादी पार्टी के जिला महानगर के कुछ पुरुष पदाधिकारी तो नजर आए लेकिन महिला पदाधिकारियों के तौर पर समाजवादी पार्टी की पुरानी नेता मधु चौधरी ही नजर आती हैं। उनके अलावा कोई महिला नेत्री की उपस्थिती तस्वीरों में तो दर्ज नहीं हुई है। वहीं समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता ही बता रहे हैं कि लोनी में रहकर उनकी जिलाध्यक्ष दुर्गेश चौधरी कैसे कमान संभाल रहीं है जबकि जिलाध्यक्ष की कमान किसी शहर वाले चेहरे पर होनी चाहिए। पार्टी के लोगों का कहना है कि जो जिले से लेकर महानगर तक समन्वय बनाकर रखें बता दें की वर्तमान में दुर्गेश चौधरी लोनी निवासी महिला अध्यक्ष हैं, तो महानगर महिला सभा की अध्यक्ष साहिबाबाद निवासी किरण कालिया हैं। दोनों ही महिला प्रमुख पदाधिकारी की इस कार्यक्रम से गैर मौजूदगी कई तरीके के सवाल भी खड़े कर रही थी।

सपा की पुरानी और हर आयोजन में नजर आने वाली नेत्री हैं मधु चौधरी

करंट काइम : समाजवादी पार्टी में बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारियों पर भरोसा जताया गया है। तो एक समय था जब महिला पदाधिकारियों को प्रदेश तक में पद और दायित्व भी सौंपे गए हैं, लेकिन वर्तमान में जब समाजवादी पार्टी वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति से लेकर एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है, ऐसे में उसके खेमे में आधी आबादी की संख्या का ना होना कई तरीके के सवाल खड़ा करता है। उधर समाजवादी पार्टी से जुड़े पुराने और वरिष्ठ नेता बताते हैं की मधुर चौधरी पार्टी के हर छोटे बड़े आयोजन में उपस्थिति रहती हैं। वह पुरानी समाजवादी नेता होने के साथ ही प्रदर्शन से लेकर आंदोलन में प्रमुखता से शामिल होती हैं। सपा नेताओं से लेकर अन्य सामाजिक कार्यों में भी उनकी उपस्थिति बताती है कि वह लगातार एक्टिव वाले मोड में हैं।

संगठन पर भी उठ रहा है सवाल, क्यों दरकिनार है महिला पदाधिकारी

करंट क्राइम : मंगलवार को समाजवादी पार्टी के कार्यालय से जो तस्वीरें आई हैं, वह सब दर्शा रही हैं कि महिला पदाधिकारियों की इसमें दूरी साफ देखी जा सकती है। जो पार्टी प्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने का दम और उसके नेता भरोसा जाता रहे हों, ऐसे में आधी आबादी की दूरी पार्टी के लिए नुकसानदायक हो सकती है। तो वहीं संगठन में जिला और महानगर की टीम पर भी सवाल है कि आधी आबादी की ऐसी हिस्सेदारी से वह कैसे गाजियाबाद की पांच विधानसभा सीटों पर अपना दम दिखा पाएंगे। तो वही जिस तरीके से समाजवादी पार्टी की लोनी वाली नेता और साहिबाबाद वाली पदाधिकारी तमाम कार्यक्रमों से दूर हैं, ऐसे में वह चुनाव के समय में क्या प्रभाव स्थापित कर पाती हैं, यह भी बड़ा सवाल है। कुल मिलाकर समाजवादी पार्टी की तस्वीरें और तकदीर क्या होगी ,यह तो 2027 में ही तय होगा लेकिन मौजूदा हालात जो गाजियाबाद में समाजवादी पार्टी के साथ चल रहे हैं, वह कुछ ठीक इशारा नहीं कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी में गुटबाजी और पुराने और महिला पदाधिकारियों की दूरी भी एक बड़ा सवाल है।

चुनाव वाली बैठक में फायर दिखे बैठक लेने वालों के तेवर

बात भी सही है कि ऐसे कैसे मिलेगा फेवर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चुनावी वर्ष सबके लिये शुरू हुआ है और यहां सभी दल मजबूती से लगे हैं। कोई जिला पंचायत की ताल ठोंक रहा है तो कोई एमएलसी चुनाव की तैयारियों में जुटा है। मामला ऐसी ही एक चुनावी बैठक से जुड़ा है। दल ने आने वाले चुनाव को लेकर टीम तैयार की है। रणनीति यही है कि ज्यादा से ज्यादा वोट पार्टी के उम्मीवार को मिले और तैयारी ये चल रही है कि चुनाव से पहले ज्यादा से ज्यादा वोट बनवाई जाएं। इसके लिये बाकायदा विधानसभा में जिम्मेदारी दी गई है, मंडलों में जिम्मेदारी दी गई है। जिम्मेदारी को कौन कितनी जिम्मेदारी से पूरा कर रहा है इसकी समीक्षा के लिये एक राजनीतिक दल की बैठक हुई। यहां पर तैयारियों से जुड़े कुछ चेहरे मंच पर तो कुछ चेहरे सामने की चेयर पर थे।

बैठक की समीक्षा लेने वाले चेहरे ने जब माइक संभाला तो उनके अंदाज फायर थे, क्योंकि उनका ये मानना है कि अगर शुरूआती रेस में ही पिछड़ेंगे तो फिर हम जीतेंगे कैसे। सवाल सिर्फ जीतने का नहीं है, सवाल रिकॉर्ड वोट से जीतने का है, सवाल विरोधी की रणनीति को तहस नहस करने का है। जब सबसे आगे रहना है तो फिर हमें हर मोर्चे पर तैयारी मजबूत रखनी होगी। तैयारियों की समीक्षा के लिये बैठक हुई। यहां पर मीटिंग लेने वाले ने जब एक-एक वोट की तैयारी की रिपोर्ट ली तो कहानी में ट्विस्ट था। मीटिंग लेने वाले चाहते थे कि पूरी तरह से सब अपडेट रहें और सीन कुछ ऐसा था कि कहीं तैयारी शुरू नहीं थी तो कहीं अधूरा सीन था और फिर बातों ही बातों में मीटिंग लेने वाले ने तय कर दिया कि मीटिंग की फॉरमेलिटी नहीं चलेगी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि मुझे फॉरमेलिटी नहीं बल्कि अकाउंटबिलिटी चाहिए। स्पष्ट होना चाहिए कि किसने क्या काम किया है। यहां पर सूत्र बताते हैं कि तेवर थोड़े कड़े थे और एक सिरे से सबकी क्लास वाला सीन हो गया।

बताया जाता है कि बैठक में अटेंडेंस को लेकर भी सीन काफी कम वाला था। मंडल के पांच या छह प्रधान पहुंचे थे, विधानसभा वाले भी कम थे और जो पहुंचे थे वो मीटिंग लेने वाले योद्धा के मानक पर उतने खरे नहीं उतर पा रहे थे जितने वो चाहते थे। कहानी का सार ये है कि बैठक शुरू होते ही उन्होंने पूछा कि सबको फार्म दिये थे तो किसने क्या किया। पता चला कि एक मैडम ने जरूर मंडल में जाकर भ्रमण किया है और बाकी की रिपोर्ट ये थी कि वो अभी गये नहीं हैं। यहां पर नदिया पार वाले एक चेहरे से ये पूछा गया कि क्या आपने अपने घर की वोट बनवाई हैं तो उधर से जवाब ना में था। यह सुनते ही मीटिंग लेने वाले ने कहा कि मुझे यही जानकर बेहद प्रसन्नता हुई कि अभी तक आपने अपने घर की वोट भी नहीं बनाई हैं। इसके बाद बैठक लेने वालों ने बाकी से भी पूछा तो पता चला कि किसी ने फार्म अभी दिये नहीं हैं और उनके ये पास ये लिस्ट भी नहीं है कि कितने फार्म कहां दिये गये हैं।

बताते हैं कि यहां पर इन्हीं बातों से बैठक लेने वाले का मूड हल्का से रूड हो गया और उन्होंने ये भी कह दिया कि मेरा संदेश मंच से लेकर सामने वालों तक सभी के लिये है। हम सभी को एक समान होकर काम करना है और जहां पर जो चर्चा बाहर आई वो ये कि वो चुनाव वाली इस बैठक को लेकर पूरी तरह से अपडेट होकर आए थे, लेकिन वो अपसेट तब हुए जब उन्हें ये पता चला कि अभी तक दिये गये कार्य का संयोजन ही नहीं बना है। बस इसी पर बैठक लेने वालों के तेवर फायर हो गये और बैठक का अंत इन शब्दों से हुआ कि सबको मंच चाहिए, सबको माला पहननी है, सबको स्वागत करवाना है, मगर काम किसी को भी नहीं करना है। किसी के पास लिस्ट नहीं है, कोई मंडल में नहीं गया है, कोई अभी लिस्ट लेने की बात कह रहा है, अगर यही हाल रहा तो कैसे हम चुनावी रण को जीतेंगे।

छह पार्षदों से पूछा कि सातवां पार्षद क्यों नहीं बुलाया

सभी पार्षदों ने सातवें पार्षद को बहुत बड़ा नेता बताया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा पार्षद इन दिनों अपनी ही सरकार में अजीब सी तकरार वाले दौर से गुजर रहे हैं। कभी अफसरों से तकरार, तो कभी अपनों से तकरार, अपनी ही सरकार में धरना, अपनी ही सरकार में गुहार और अपनी ही सरकार में वो इंतजार करते हैं। इंदिरापुरम के सात वार्ड अब नगर निगम के पास आ गए हैं। जीडीए इन्हें हैंडओवर कर चुका है मगर, यहां पर विकास को लेकर अब भी जंग जारी है। बड़ी बात ये है कि जनता ने यहां भाजपा को जनादेश दिया और जिस एक पार्षद को बसपा के लिये जनादेश मिला था वो भी चुनाव जीतने के बाद भाजपाई हो गये और चारों तरफ भाजपा है, लेकिन इसके बाद भी तय नहीं हो रहा कि क्या करना है। इंदिरापुर में विकास कार्यों के लेकर छह पार्षद एक साथ बैठे। ये छह पार्षद क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का हिसाब मांग रहे थे। वो जानना चाहते हैं कि क्षेत्र में कौन सी निधि से काम हो रहा है और किस विधि से हो रहा है। छह पार्षद निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में उद्यान प्रभारी भी थे।

बैठक में अवर अभियंता भी थे। यहां पर सबसे बड़ी बात ये थी कि सात वार्ड हैं, लेकिन सात पार्षद में से एक पार्षद साथ नहीं थे। सातों के सात पार्षद भाजपा के हैं और उसके बावजूद यहां एक पार्षद नहीं आए। ये पार्षद वार्ड-100 के पार्षद संजय सिंह हैं, वो मीटिंग से दूर रहे और सवाल यही उठा कि वो खुद नहीं आए या उन्हें बुलाया नहीं गया, क्या वजह रही।

बैठक भाजपा पार्षद धीरज अग्रवाल के कार्यालय में हुई। बैठक के मुद्दे तो रखे गए, लेकिन सबसे बड़ा मुद्दा यही था कि आखिर छह पार्षद सातवें पार्षद को क्यों नहीं बुला रहे हैं। यहां पर एक मत से पार्षदों का जो जवाब आया वो ये था- हमारे छोटे वार्ड है और छोटे-छोटे काम हैं। संजय सिंह का वार्ड संख्या-100 है, वो बड़े नेता हैं, इसलिये वो नहीं आए होंगे। पार्षदों के कहने का सार ये था कि वो अपने क्षेत्र के विकास कार्य खुद कराने में सक्षम हैं।

पार्षदों ने रखी बात, पता तो चले कैसे हो रहा है विकास

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम में विकास को लेकर पार्षदों ने बात रखी। इन पार्षदों में वार्ड-81 के पार्षद धीरज अग्रवाल मौजूद थे, बैठक में वार्ड-89 के पार्षद डॉ. अनिल तोमर, वार्ड-99 के पार्षद प्रीति जैन के पति अभिनव जैन, वार्ड-57 के पार्षद राधेश्याम त्यागी और वार्ड-87 के पार्षद अनुज त्यागी तथा वार्ड-79 के पार्षद हरीश कड़ाकोटि मौजूद थे। ये पार्षद जानना चाहते थे कि इंदिरापुरम के काम कौन सी निधि से हो रहे हैं, क्या काम हो रहा है और कौन सी एजेंसी इस काम को करा रही है। पार्षदों का कहना था कि काम कब शुरू हुआ हमें पता ही नहीं चलता। पार्षदों ने ये कहा कि नालों का निर्माण रात में ही क्यों हो रहा है। कौन सी निधि से कौन सा काम हो रहा है। ये हमें पता लगना चाहिए।

चीफ इंजीनियर ने किया सभी शंकाओं का समाधान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पार्षद विकास को लेकर अपने सवालों के साथ थे। पार्षदों के सामने चीफ इंजीनियर एन.के. चौधरी मौजूद थे। उद्यान प्रभारी अनुज सिंह मौजूद थे और अवर अभियंता गंगवार तथा जेई पूजा सिंह मौजूद थे। चीफ इंजीनियर एनके चौधरी ने पार्षदों सभी शंकाओं का समाधान किया, उन्हें पूरी जानकारी दी। चीफ इंजीनियर एनके चौधरी ने पार्षदों को बताया कि कुछ काम सीएम ग्रेड से हो रहे हैं। कुछ काम पार्षद निधि से हो रहे हैं। यहां उन्होंने पार्षदों को आश्वस्त किया कि वित्त कोटे के भी काम कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया से काम हो रहे हैं और जो भी जानकारी पार्षद चाहते हैं वो कभी भी प्राप्त कर सकते हैं।

त्यौहारी सीजन में जाम से निपटने का बन रहा है नया प्लान, 90 अंडर ट्रेनिंग पुलिसकर्मी किए जाएंगे तैनात

- लोगों से पुलिस करेगी कार पूल करने की अपील
- निजी वाहनों से ज्यादा सार्वजनिक वाहनों का करें इस्तेमाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद के व्यापारी जहां जाम और अतिक्रमण से परेशान हैं। तो वहीं अब बाजारों में त्यौहारी सीजन का असर होने लगा है।

लोग खरीदारी और सामान की तलाश में बाजार जा रहे हैं और कारण जाम लग रहा है। पार्किंग का उपयुक्त स्पेस नहीं है, तो वहीं ट्रैफिक पुलिस के पास भी कोई अलग से इंतजाम मौजूद नहीं है। हालांकि एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने जानकारी दी है कि करवा चौथ और अन्य त्यौहारों को देखते हुए एक से दो दिन में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में 90 अंडर ट्रेनिंग पुलिसकर्मियों को ट्रैफिक की ड्यूटी में इस्तेमाल किया जाएगा ताकि जाम ना लगे। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस सोशल मीडिया के माध्यम से अपील करेगी कि वह निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करें। इसके साथ ही अगर संभव हो तो लोग कार पूल जैसी व्यवस्था को भी अपना सकते हैं। साथ ही लोगों से अपील की जा रही है कि वह सड़क पर वाहन ना पार्क करें। इसके लिए बाकायदा अनाउंसमेंट भी कराया जाएगा।

अंबेडकर रोड पर पुलिस बाल रहेगा मुस्तैद

करंट क्राइम : पुलिस के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार महिलाओं के त्यौहार करवा चौथ को लेकर आगामी एक से दो दिन बेहद भीड़ तुराब नगर, अंबेडकर रोड और घंटा घर पर रहने वाली है। देर रात तक जहां मेहंदी लगाने वालों की भीड़ रहेगी। तो वही शॉपिंग का भी लोग जमकर लुफ्त उठाते हैं। तो वहीं दीपावली की शॉपिंग भी शुरू हो चुकी है, ऐसे में बाजारों में वाहन पार्क करने के लिए स्थान कम पड़ रहा है। सड़कों पर जाम लग रहा है और व्यापारी जाम लगने की वजह से परेशान और जनता भी इधर-उधर भटक रही है। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस और थाना पुलिस अधिकतर ड्यूटी रोड पर लगाने का प्लान बना रही है।

सुरक्षा के साथ सतर्कता भी रहेगी : डीसीपी

करंट क्राइम : त्यौहारी सीजन को देखते हुए डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल ने जानकारी दी है की प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। वही सतर्कता भी रखी जाएगी, साथ ही यह लोग ट्रैफिक मैनेजमेंट से लेकर जाम लगने की स्थिति में उसे खुलवाने का काम भी करेंगे ताकि अव्यवस्था कम से कम हो।

त्योहारों से पहले हरियाली और सुगंध से महकेगा गाजियाबाद

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम : दिवाली से पहले गाज़ियाबाद नगर निगम ने शहर को हरियाली की नई चादर ओढ़ाने का कार्य शुरू कर दिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में उद्यान विभाग ने शहरभर में व्यापक सौंदर्यकरण अभियान चलाया है। मुख्य मार्गों की ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज को न केवल पेड़-पौधों से सजाया जा रहा है, बल्कि रंग-बिरंगे फूलों की सुगंध से वातावरण को भी महकाया जा रहा है।

शेष, पृष्ठ 7

संपादकीय

खत्म हो संघर्ष

इस्राइल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने शांति योजना पेश की है। इजिप्ट में हो रही वार्ता पर दुनिया की नजरें टिकी हैं। यह योजना ट्रंप सरकार की है और इसमें फलस्तीनी अथॉरिटी को भी शामिल किया गया है।

सबसे लंबा संघर्ष इस्राइल-फलस्तीन विवाद एक सदी से भी अधिक समय से सुलग रहा है। 1948 में इस्राइल के नक्शे पर आने के बाद यह इलाका कई युद्ध और संघर्ष देख चुका है, लेकिन मौजूदा संकट जितना लंबा कोई भी नहीं चला। इन दो बरसों के दौरान कई ऐसे मोड़ आए, जब लगा कि यह संघर्ष भयानक युद्ध का रूप लेकर पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में लेगा।

ट्रंप का प्लान शांति की राह में सबसे बड़ी रुकावट दोनों पक्षों का एक-दूसरे पर अविश्वास है। न इस्राइल को हमास पर भरोसा है और न अरब वर्ल्ड इस्राइल पर यकीन कर पा रहा है। संघर्षविराम के पिछले सारे प्रयास इसी वजह से किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाए। हालांकि इस बार बात अलग है। यह प्लान ट्रंप सरकार ने बनाया है, जो अभी तक इस्राइल को खुली छूट दिए हुए था। सबसे बड़ी बात, इसमें फलस्तीनी अथॉरिटी के लिए जगह छोड़ी गई है।

समझदारी दिखाएं अमेरिकी दबाव में ही सही, इस्राइल का इस बिंदु पर सहमत होना बड़ा बदलाव है। वहीं, हमास का प्लान को स्वीकार करते हुए बातचीत की मेज पर आना भी सकारात्मक कहा जा सकता है, क्योंकि अभी तक वह ऐसे प्रस्तावों को सिरे से खारिज करता रहा है। किसी भी बातचीत के सफल होने के लिए लचीलापन जरूरी है। अब उम्मीद ही की जा सकती है कि दोनों पक्ष समझदारी दिखाएंगे।

जल्दबाजी में काम न बिगड़े यहां अहम है कि ट्रंप तुरंत कोई परिणाम चाहते हैं। उनके हिसाब से इस हफ्ते के आखिर तक पहले दौर की योजना पूरी हो जानी चाहिए। लेकिन शायद इतनी आशा पालना भी सही नहीं। इस्राइल और हमास के अलावा भी गाजा से जुड़े कई पक्ष हैं, और जब तक सभी संतुष्ट नहीं हो जाते, कोई नतीजा निकलना मुश्किल है। गाजा की मांग दुनिया को याद रखना चाहिए कि गाजा जियो-पॉलिटिकल एक्सपेरिमेंट की जगह नहीं है, जहां किसी प्लान की जोर-आजमाइश की जाए। यह 20 लाख से अधिक लोगों का घर है, जो दशकों से वैश्विक ताकतों के बीच पिसते आ रहे हैं। कहीं और रहने वालों को जो मिलता है - सम्मान, सुरक्षा और पहचान, यही इनकी भी मांग है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 153 अंक टूटा, निफ्टी 25100 के नीचे

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को भारतीय बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बड़ी बिकवाली के बाद 153.09 अंक गिरकर 81,773.66 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 62.15 अंक गिरकर 25,046.15 अंक पर आ गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के बाद बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 153.09 अंक या 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,773.66 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 611.66 अंक के उतार-चढ़ाव के साथ 82,257.74 के उच्च स्तर और 81,646.08 के निम्न स्तर तक गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 62.15 अंक या 0.25 प्रतिशत गिरकर 25,046.15 पर आ गया। रुपये में सीमित दायरे में कारोबार हुआ और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 88.80 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, सन फार्मा, पावर ग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयर रहे। वहीं टाइटन, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा सबसे ज्यादा लाभ में रहे।

दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले निवेशक हैं सतर्क

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, प्रमुख सूचकांकों में उतार-चढ़ाव भरा सत्र देखा गया, जो तेजी के बाद मुनाफावसूली से कम हुआ। दूसरी तिमाही के आय सत्र से पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे थे, क्योंकि बाजार सहभागियों ने मूल्यांकन और विकास की संभावनाओं का पुनर्मूल्यांकन किया।

यूरोपीय बाजारों में रही तेजी

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे।यूरोप के बाजारों में तेजी रही। मंगलवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 66.21 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.16 प्रतिशत बढ़कर 66.21 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को खरीदार बन गए और उन्होंने 1,440.66 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी।

भारत का गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक 15 लाख करोड़ के स्तर को पार कर सकता है, आईसीआरए का दावा

नई दिल्ली। आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार भारत का गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक 15 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार करने की उम्मीद है। वहीं गोल्ड लोन बाजार का आकार वित्त वर्ष 2027 तक और बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। देश का संगठित गोल्ड लोन बाजार मार्च 2026 तक 15 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर जाएगा।

वित्त वर्ष 2027 तक गोल्ड लोन बाजार का अनुमान

क्रिसिल लिमिटेड में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और को-ग्रुप हेड (फाइनेंशियल सेक्टर रेटिंग्स) एएम कार्तिक ने कहा कि संगठित गोल्ड लोन बाजार का आकार वित्त वर्ष 2027 तक और बढ़कर 18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। एजेंसी के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो (अवट) में 30 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। इसका कारण ऊंचे सोने के दाम और असुरक्षित ऋण उत्पादों में धीमी वृद्धि को माना गया है। यह आम तौर पर उसी उधारकर्ता वर्ग को लक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कई कंपनियों का विविधीकरण और देश में उपलब्ध बड़ी मात्रा में फ्री गोल्ड होल्डिंग इस वृद्धि के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक साबित होंगे।

सोने की ऊंची कीमतों से यह वृद्धि हुई

हालांकि विकास मुख्य रूप सोने की ऊंची कीमतों के कारण हुआ है, लेकिन कोलैटरेल के रूप में रखे गए सोने का टन भार वित्त वर्ष 2020-2025 के दौरान 1.7 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से मामूली रूप से बढ़ा है। इस अवधि के दौरान औसत ऋण आकार दोगुने से भी अधिक हो गया है, जबकि शाखाओं की संख्या में 3.3 प्रतिशत की धीमी सीएजीआर से वृद्धि हुई है। बैंकों ने एनबीएफसी की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की वित्त वर्ष 24-25 के दौरान, स्वर्ण ऋण लगभग 26 प्रतिशत की सीएजीआर से विस्तारित हुआ।

सितंबर 2025 में खुदरा महंगाई 1.2% के करीब रहने का अनुमान, बीओबी की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सितंबर में खुदार महंगाई 1.2 प्रतिशत के करीब रहने की उम्मीद है। यह खाद्य वस्तुओं की लगातार गिरती कीमतों और अनुकूल सांख्यिकीय आधार के कारण संभव हो रहा है।

हेडलाइन इनफ्लेशन सितंबर 2025 में और घट सकती है और खुदार महंगाई 1.2 प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है। बैंक ऑफ बड़ौदा की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह राहत खाद्य पदार्थों की लगातार गिरती कीमतों के कारण है। इसमें कहा गया है कि आवश्यक वस्तुओं में लगातार मंदी और टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में तेज सुधार महंगाई को नियंत्रित करने में मदद कर रहा है।

बीओबी ईसीआई में लगातार पांचवें महीने मंदी रही

बैंक ऑफ बड़ौदा एसेन्शियल कमोडिटीज इंडेक्स (इडइ एउक) लगातार पांचवें महीने मंदी में रहा। सितंबर में यह साल-दर-साल एक प्रतिशत घटा, जबकि अक्तूबर के पहले छह दिनों में 3.8 प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। महीने-दर-महीने सूचकांक में भी 0.3 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यह प्रमुख खाद्य समूहों में कीमतों के दबाव में कमी को दशार्ता है।

टीओपी सब्जियों की कीमतों में गिरावट

टमाटर की खुदरा कीमतें सितंबर में 8.3 प्रतिशत घटीं, जबकि प्याज और आलू में क्रमशः 46.2 प्रतिशत और 30.9 प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट बढ़ी हुई आपूर्ति और प्रभावी प्रबंधन के चलते संभव हुई। वित्त वर्ष 2026 में ळडढ सब्जियों की कुल आपूर्ति 10.3 प्रतिशत बढ़ी, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 15.4 प्रतिशत घट गई थी।

इन कारणों से महंगाई हुई कम

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक खाद्य कीमतों में नरमी और ऑटोमोबाइल, ऋटउऋ कंपनियों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म द्वारा जीएसटी दरों में कटौती का फायदा उपभोक्ताओं तक पहुंचाने से महंगाई पर दबाव कम हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अनुमान जताया है कि 5 में हेडलाइन सीपीआई भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से कम रह सकता है।

केवल 18% निवेशकों को वित्तीय टीवी चैनलों पर भरोसा, डिजिटल प्लेटफॉर्म और एसआईपी की बढ़ रही लोकप्रियता

नई दिल्ली। मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड (एमओएमएफ) के पैसिव सर्वे 2025 के अनुसार भारत में केवल 18 प्रतिशत निवेशक फाइनेंस की समज के लिए वित्त टेलीविजन चैनलों पर भरोसा करते हैं। 52 प्रतिशत निवेशक निवेश संबंधी जानकारी के लिए वित्तीय वेबसाइटों और ऑनलाइन प्लेटफार्मों का सहारा लेते हैं। भारत में केवल 18 प्रतिशत निवेशक फाइनेंस की समज के लिए वित्त टेलीविजन चैनलों पर भरोसा करते हैं। मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड (एमओएमएफ) के पैसिव सर्वे 2025 के तीसरे संस्करण में यह जानकारी दी गई है। अगस्त-सितंबर 2025 में हुए इस सर्वे में 3000 निवेशकों और 120 डिस्ट्रीब्यूटर सहित देशभर के म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, पंजीकृत निवेश सलाहकार (आरआईए) और धन प्रबंधक भी इसमें शामिल थे।

क्या कहते हैं आंकड़े इसमें कहा गया है कि यह संरचनात्मक बदलाव को दशार्ता है: निवेशक क्विक, सोशल मीडिया-संचालित सामग्री से अधिक विशिष्ट, विश्वसनीय वित्तीय पोर्टलों की ओर जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार 52 प्रतिशत निवेशक निवेश संबंधी जानकारी के लिए वित्तीय वेबसाइटों और ऑनलाइन प्लेटफार्मों का सहारा लेते हैं। वहीं 38 प्रतिशत समाचार पत्र और न्यूजलेटर पढ़ते हैं। कुछ ने दो से ज्यादा प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने की बात भी कही। लगभग 29 प्रतिशत लोग वित्त संबंधी अपडेट के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। पैसिव फंड मुख्यधारा बन रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि प्रदर्शन अभी भी एक प्रमुख चालक बना हुआ है, निवेशक रक्षात्मक कारकों में भी रुचि दिखा रहे हैं, जो एक संतुलित दृष्टिकोण का संकेत देता है। सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में पैसिव फंड मुख्यधारा बन रहे हैं। 2025 तक लगभग 76 प्रतिशत म्यूचुअल फंड निवेशक इंडेक्स फंड या ईटीएफ के बारे में जानते हैं।

एसआईपी सबसे पंसदीद निवेश माध्यम

सर्वेक्षण में आगे बताया गया है कि व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी) अनुशासित धन सृजन के लिए एक पसंदीदा माध्यम बनी हुई हैं। निवेशक लगातार बाजार भागीदारी और रणनीतिक अवसरों की तलाश में एसआईपी को एकमुश्त निवेश के साथ जोड़ रहे हैं। एसआईपी और एकमुश्त निवेश की भागीदारी अब कुल भागीदारी का 57 प्रतिशत है। इसके बाद एकल एसआईपी की भागीदारी 26 प्रतिशत व केवल एकमुश्त निवेश की भागीदारी 17 प्रतिशत है। स्मार्ट बीटा रणनीतियों में भी रुचि बढ़ी है। 61 प्रतिशत निष्क्रिय फंड निवेशक अब ऐसे विभेदित कारक-आधारित फंडों की खोज कर रहे हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

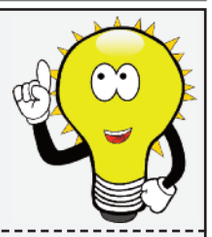

- अमेरिका में 49% किशोर-किशोरी प्रतिदिन सैंडविच खाते हैं।
- यदि आपकों अंडे की पहचान करना हैं तो उसे पानी में डाले वह डूब जाए तो खराब होगा और तैरने लगे तो ठीक होगा।
- स्ट्रॉबेरी फल की अपेक्षा नींबू के अंदर अधिक मिठास होती है।
- शहद एक ऐसा तरल पदार्थ है जो करीब 3000 सालों तक सुरक्षित रखा जा सकता है।
- कोरिया देश में लोग ऑक्टोपस को जिंदा खाना पसंद करते हैं।
- अधिक चुकंदर का सेवन करने से पेशाब का रंग गुलाबी हो सकता है।
- पत्ता गोभी में 91% पानी की मात्रा होती है।
- दुनिया में टमाटर की 10,000 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती है।
- यदि आप लकड़ी के चाकू से प्याज को काटते हैं तो इससे आपकी आंखों में आंसू नहीं आते।
- जब हम प्याज काटते हैं तो इससे एक तरह की गैस निकलती है, जिससे आंखों में आंसू आता है।
- शहद मधुमक्खियों द्वारा की गई उल्टी से बनता है।
- सबसे ज्यादा कैलोरी मिल्क शेक में पाई जाती है।
- नींबू दुनिया के सबसे स्वास्थ्य वर्धक फलों में से एक है।

राशिफल

मेष: आज सिर्फ बैठने के बजाय कुछ ऐसा करें जिससे आपकी कमाई बढ़ सके। पारिवारिक जीवन को पर्याप्त समय और ध्यान दें।

वृष: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। पूरा दिन नई ऊर्जा से भरा रहेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। धन के मामले में प्रगति होगी।

मिथुन: आज कोई आपकी छवि खराब कर सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। आपका जीवन साथी थोड़ा अजीब व्यवहार कर सकता है।

कर्क: अपने सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास के कारण अपने आसपास के लोगों को प्रभावित करेंगे। अतिरिक्त पैसा रियल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है।

सिंह: आज आपका दिन ठीक रहेगा। कुछ कार्यों में थोड़ा विलंब हो सकता है। इस राशि के लव पार्टनर के जीवन में उतार-चढ़ाव आ सकता है।

कन्या: आज कोशिश करें कि किसी भी तरह का जोखिम न लें। व्यापार स्थल पर माहौल अनुकूल रहेगा। योजनाओं से जुड़ने का मौका मिलेगा।

तुला: मित्रों के सहयोग से आर्थिक परेशानी दूर होगी। परिवार के सदस्य या जीवन साथी तनाव का कारण बन सकते हैं। प्यार के मामले में सामाजिक बंधनों को तोड़ने से बचें।

वृश्चिक: दिन अच्छा बीतेगा। लोगों के बीच आपकी एक अलग छवि बनेगी। पार्टनर के साथ डिनर पर जा सकते हैं। लंबी दूरी की यात्रा सफल और सार्थक होगी।

धनु: बड़े और प्रतिष्ठित लोगों से मेलजोल बढ़ सकता है। दूसरों के मामले में अपनी राय व्यक्त करने से भी बचना चाहिए। जीवनसाथी के संबंधों में उतार-चढ़ाव आ सकता है।

मकर: आपके कंधों पर बहुत कुछ है और निर्णय लेने के लिए स्पष्ट सोच आवश्यक है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी लेकिन आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगी।

कुंभ: आज रहेगा फिट और तंदुरुस्त। आपकी कलात्मक क्षमता का विकास होगा। कोई शुभ समाचार मिलेगा। संतान सुख की प्राप्ति होगी।

मीन: आज ऐसी जानकारी को उजागर न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। आज आपके करियर में तरक्की के रास्ते खुलेंगे। आपकी हर जगह प्रशंसा होगी।

चुटकुले

पत्नी (करवा चौथ पर): सुनो जी, आज मैंने पूरे दिन कुछ नहीं खाया!
पति: वाह! बहुत त्याग है तुम्हारा
पत्नी: ... और अब फास्ट तोड़ने के लिए पिज्जा चाहिए!

पति: तुमने मेरे लिए व्रत रखा?
पत्नी: हाँ जी
पति: कुछ खाया तो नहीं न?
पत्नी: नहीं बस एक समोसा टेस्ट करने के लिए लिया था!

दोस्त 1: यार, तेरी बीवी ने तेरे लिए व्रत रखा क्या?
दोस्त 2: हाँ, रखती तो है।
दोस्त 1: वाह, प्यार करती है तुझसे!
दोस्त 2: हाँ, पर फोटो चाँद की जगह मेरे एटीएम कार्ड की भेजती है!

09 10 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सयानी गुप्ता
अभिनेत्री

लक्षित गोस्वामी

अमायरा

शौर्य यादव

दविश शर्मा

कनुप्रिया चौहान

आशीष चौधरी

वीरेन्द्र सिंह

सोनू शर्मा

प्रशांत सिंह

शिवप्रताप सिंह

विकास जेठुड़ी

अंकित वशिष्ठ

गिरीश त्यागी

ओमपाल सिंह

डॉ गौरव सैनी

विकास शर्मा

अमित गुप्ता

बिजेन्द्र नम्बरदार

उत्सव भारद्वाज

तोसीफ अहमद

भानू प्रताप सिंह

अजय सोलंकी

हरि सिंह

अशोक कुमार

सुभाष वर्मा

शाद अब्बासी

बृजेश कुमार

आकर्ष त्यागी

सोनू जोशी

निशान्त

मनोज शाक्या

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

कार्तिक माह के पावन अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने किया भंडारे का शुभारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं विधायक साहिबाबाद सुनील कुमार शर्मा ने अपने राजेंद्र नगर, साहिबाबाद स्थित जनसंपर्क कार्यालय पर पूरे कार्तिक माह चलने वाले भंडारे का प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर भंडारे का विधिवत उद्घाटन कैबिनेट मंत्री की माता कुंती देवी एवं परिवारजनों द्वारा किया गया।

कार्तिक माह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि यह मास भक्तिभाव, दान-पुण्य और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। इस माह में व्रत, भजन, कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का महत्व बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि कार्तिक मास हमें हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और सनातन परंपरा से जोड़ता है और जीवन में धर्म, सदाचार और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा प्रदान करता है।

भंडारे के शुभारंभ समारोह में पार्टी के पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष, पार्षदगण एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सुनील कुमार शर्मा उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख राजनेता हैं और वर्तमान में योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।

'मानवता की ओर एक कदम' ट्रस्ट ने हरिचंद त्यागी सार्वजनिक पुस्तकालय को 60 पुस्तकें दान कीं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नेहरू नगर स्थित हरिचंद त्यागी सार्वजनिक पुस्तकालय में 'मानवता की ओर एक कदम' ट्रस्ट ने टेक्निकल और आध्यात्मिक विषयों की 60 पुस्तकें भेंट कीं। पूर्व शिक्षा मंत्री बालेश्वर त्यागी ने रामा-तुलसी का पौधा पुस्तकालय को सप्रेम दिया।

ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. राजीव त्यागी (राज तुलसी-पुत्र) ने बताया कि यह लाइब्रेरी छात्रों के लिए पढ़ाई का आदर्श केंद्र है, जहाँ शांत माहौल, कोर्स की किताबें, इंटरनेट और सुरक्षा की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि यहाँ पढ़ने वाले कई विद्यार्थी सरकारी परीक्षाओं में सफल हुए हैं। कार्यक्रम में शशि और सीमा कुशवाहा सहित ट्रस्ट के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

निर्माण में लानी होगी हाई स्पीड

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में निर्माण कार्यों को लेकर लगातार जोर दिया जा रहा है। तो जिस तरह से मुख्य ऑफिस से लेकर साहब का कार्यालय, तो वहीं कैफेटेरिया से लेकर कई थानों के रूप बदल रहे हैं। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में चर्चा सुनाई दे रही है कि आने वाले कुछ दिनों में निर्माण को लेकर स्पीड हाई स्पीड बनानी होगी। दरअसल दीपावली का सीजन आ रहा है और दीपावली के पहले ही दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर इस कदर बढ़ जाता है कि लोगों को सांस लेने में दिक्कत आनी शुरू हो जाती है। इसके साथ ही वायु प्रदूषण का असर लोगों की दैनिक जिंदगी के साथ ही सेहत पर भी असर डालने का काम करती है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम से मिली जानकारी के अनुसार इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में मुख्यालय वाले ऑफिस और लाइन से लेकर कई थानों में इन दिनों युद्ध स्तर पर निर्माण वाला काम चल रहा है। उधर विकास व निर्माण वाले विभाग और अन्य सरकारी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जल्द ही दिल्ली- एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति सुधारने वाला ग्रेप को लागू किया सकता है। जिसके तहत निर्माण कार्य पर रोक लगेगी, निर्माण कार्य पर रोक लगेगी तो कमिश्नरेट में नंबर दो की पोजीशन वाले जिन दो अधिकारियों के कार्यालय तेज गति से बनने का काम चल रहा है, उनपर ब्रेक लगेगा। तो वहीं कई थानों की निर्माण वाली प्रक्रिया भी रूक सकती है। कुल मिलाकर पुलिस वाले सूत्र बता रहे हैं कि बीते दिनों हुई बारिश की वजह से मामला थोड़ा लेट और वेट वाला हो गया है। पर जिस तरीके से ग्रेप का मामला चर्चा में है, उसको देखते हुए आने वाले कुछ ही दिनों में यानी दीपावली से पूर्व कई जगह नए बोर्ड, पटशिला और उद्घाटन कार्यक्रम होने वाले हैं। उधर सिटी वाले सूत्रों ने बताया है कि सिटी में एक कोतवाली में पहला प्रतीक्षा कक्ष बनवाने वाले थ्री-स्टार के थाने में इन दिनों अपने दूसरे निर्माण कक्ष को बनवाने का काम जोरों पर चल रहा है। पता चला है कि इसमें उद्घाटन वाला बोर्ड व पत्थर भी लगेगा। तो वहीं साहब का कार्यक्रम भी तय माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि जिस तेजी से सिटी वाले थाने में निर्माण वाला कार्य चल रहा है, जल्द ही उसका शुभारंभ भी होने जा रहा है। उधर जल्द ही कमिश्नरेट में पोस्टिंग वाला गिफ्ट ओपन होने वाला है।

गाजियाबाद में वरिष्ठ समाजसेवी सिकंदर यादव ने किया 'डीएसपी की छोरी' गीत लॉन्च

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वेज मंत्रा वुड्स कैफे में आज हरियाणवी संगीत जगत की नई पेशकश 'डीएसपी की छोरी' का भव्य लॉन्च किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी सिकंदर यादव ने गीत का विमोचन कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। लॉन्चिंग अवसर पर उपस्थित अतिथियों, प्रशंसकों और कलाकारों ने मिलकर गीत रिलीज का जश्न मनाया। गीत में मुख्य भूमिकाओं में मीनाक्षी और सुमित कौशिक नजर आए हैं, जिनकी शानदार अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया। यह गीत सार्थक चौधरी म्यूज़िक कंपनी के बैनर तले रिलीज हुआ है, जबकि निर्देशन की ज़िम्मेदारी राघव रोहेन ने निभाई है। मीडिया से बातचीत में मुख्य अतिथि सिकंदर यादव ने कहा, डीएसपी की छोरी हरियाणवी संगीत जगत में नई ऊर्जा और ताजगी लेकर आया है। यह गीत युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने गीत की कहानी, संगीत और फिल्मांकन की खूब प्रशंसा की और कलाकारों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत बलात्कार के दोषी को 20 वर्ष की सजा गाजियाबाद पुलिस की प्रभावी विवेचना और पैरवी से मिला न्याय

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा संचालित ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत एक और महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) गाजियाबाद ने थाना मधुबन बापूधाम क्षेत्र के एक मामले में दोषी अकबर निवासी मुरादनगर को 20 वर्ष के कठोर कारावास और जुमार्ने की सजा सुनाई गई है। मामला वर्ष 2022 का है, जब अभियुक्त अकबर ने नाबालिग पीड़िता के घर में घुसकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था। इस संबंध में पीड़िता के परिजनों द्वारा थाना मधुबन बापूधाम पर मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड की ओर से ऑपरेशन कन्विक्शन सेल के प्रभावी प्रयासों, विवेचक उपनिरीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा की गई उच्च गुणवत्ता वाली विवेचना और विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो एक्ट) उत्कर्ष वत्स की सशक्त पैरवी के परिणामस्वरूप न्यायालय ने यह निर्णय सुनाया है। न्यायालय ने अभियुक्त को धारा 4 पॉक्सो अधिनियम में 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 1 लाख रुपये अर्थदंड, धारा 452 आईपीसी में 4 वर्ष के कारावास व 5 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 506 आईपीसी में 1 वर्ष के कारावास व 5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा दी है। यह फैसला गाजियाबाद पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सार्वजनिक शांति भंग करने पर लगती है धारा 151 : एडवोकेट शशिकांत भाटी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सिविल कोर्ट गाजियाबाद में कार्यरत एडवोकेट शशिकांत भारती ने बताया कि सार्वजनिक शांति भंग होने की संभावना होने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 151 लगती है। यह धारा उन व्यक्तियों पर लागू होती है जो किसी ऐसी सभा में जानबूझकर शामिल होते हैं या बने रहते हैं जिसे वैध रूप से तितर-बितर होने का आदेश दिया गया है और जिससे सार्वजनिक शांति भंग होने की संभावना हो।

धारा 151 आईपीसी के मुख्य बिंदु :

सभा का गठन : यह धारा पांच या अधिक व्यक्तियों की सभा पर लागू होती है।

आदेश का उल्लंघन : सभा के कानूनी रूप से तितर-बितर होने के आदेश के बाद भी उसमें बने रहना या उसमें शामिल होना दंडनीय है।

सार्वजनिक शांति भंग होने की संभावना : सभा ऐसी होनी चाहिए जिससे सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका हो।

दंड : इस धारा के तहत छह महीने तक की जेल या जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

डॉ. अंबेडकर जन्मोत्सव समिति ने न्यायपालिका के अपमान को 'राष्ट्रविरोधी कृत्य' बताया

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर संवैधानिक गरिमा बनाए रखने की अपील की

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति, घुकना (गाज़ियाबाद) के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में समिति के सदस्य जिला अधिकारी कार्यालय पहुँचे और महामहिम राष्ट्रपति, भारत गणराज्य को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी गाज़ियाबाद के माध्यम से सौंपा।

ज्ञापन में समिति ने सर्वोच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवाई पर दिल्ली स्थित न्यायालय परिसर में दूषित मानसिकता वाले व्यक्ति राकेश किशोर द्वारा किए गए जूता उछालने के प्रयास को अत्यंत निंदनीय, शर्मनाक और राष्ट्रविरोधी कृत्य बताया।

समिति अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह कृत्य न केवल मुख्य न्यायाधीश का अपमान है, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय न्यायपालिका, संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्याय व्यवस्था के संवैधानिक प्रतीक हैं, अतः उनके साथ ऐसा असभ्य व्यवहार राष्ट्र की गरिमा और संविधान की सर्वोच्चता का खुला अपमान है। समिति ने मांग की है कि इस घटना की उच्चस्तरीय जांच कराते हुए आरोपी राकेश किशोर के विरुद्ध देशद्रोह, राजद्रोह और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के तहत कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति संविधान और न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुँचाने का दुस्साहस न कर सके।

साथ ही समिति ने महामहिम राष्ट्रपति से यह भी आग्रह किया है कि देशभर में न्यायपालिका की गरिमा और संविधान की सर्वोच्चता के सम्मान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएँ।

निजी जमीन पर 12 साल तक प्रतिकूल कब्जा करने से पा सकता है व्यक्ति मालिकाना हक : ओम दत्त कौशिक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एडवोकेट ओम दत्त कौशिक ने कहा कि भारत में निजी जमीन पर लगातार 12 साल तक प्रतिकूल कब्जे के तहत कब्जा रखने से मालिकाना हक मिल सकता है, बशर्ते जमीन का असली मालिक इस अवधि के भीतर कोई कानूनी कार्रवाई न करे। इस नियम को भारतीय लिमिटेशन एक्ट, 1963 के तहत परिभाषित किया गया है, और इसके लिए कब्जा शांतिपूर्ण, सार्वजनिक और बिना किसी रोक-टोक के होना चाहिए। प्रतिकूल कब्जे का नियम क्या है?

12 साल की अवधि : किसी भी निजी संपत्ति (जमीन, मकान आदि) पर लगातार 12 साल तक बिना रोक-टोक के कब्जा बनाए रखना होता है।

असली मालिक की चुप्पी : इस अवधि के दौरान अगर असली मालिक अपनी संपत्ति के लिए कोई कानूनी कदम नहीं उठाता या कोई विरोध दर्ज नहीं करता है, तो वह अपना मालिकाना हक खो सकता है।

अदालत में दावा : 12 साल का समय पूरा होने के बाद, अवैध कब्जा करने वाला व्यक्ति अदालत में जाकर उस संपत्ति पर मालिकाना हक का दावा कर सकता है।

कानूनी प्रक्रिया : कब्जा करने वाले व्यक्ति को यह साबित करना होगा कि उसने 12 साल तक बिना किसी बाधा के कब्जा बनाए रखा है।

आधुनिक व्यवसाय की दुनिया में सफल होने के लिए महज पूँजी पर्याप्त नहीं : अनिल गर्ग

गाजियाबाद, करंट क्राइम : व्यापारी नेता अनिल गर्ग ने व्यापार में सफलता के लिए आवश्यक तत्वों पर प्रकाश डालते हुए एक महत्वपूर्ण बयान जारी किया है। उन्होंने जोर दिया कि आधुनिक व्यवसाय की दुनिया में सफल होने के लिए महज पूँजी पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक व्यापक और व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। अनिल गर्ग ने बताया कि व्यापार को सफल बनाने के लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना अनिवार्य है :

बाजार की गहन समझ : उन्होंने कहा, अपने उद्योग और ग्राहकों को अच्छी तरह से समझना सफलता की पहली सीढ़ी है।

मजबूत रणनीति और योजना : एक स्पष्ट और मजबूत व्यापार नीति और रणनीति तैयार करना, जो लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करे, अत्यंत आवश्यक है।

ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण : अनिल गर्ग के अनुसार, ग्राहकों को सम्मान देना, उनकी शिकायतों पर ध्यान देना और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करना व्यवसाय की नींव है। ग्राहकों की संतुष्टि ही व्यापार को टिकाऊ बनाती है।

नवाचार और लचीलापन : बाजार के बदलते रुझानों के अनुरूप नए विचारों को अपनाना और बदलाव के लिए तैयार रहना जरूरी है। जो व्यापार नवाचार नहीं करता, वह पिछड़ जाता है।

संगठित रहना और कड़ी मेहनत : दैनिक कार्यों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने और समय का सही उपयोग करने के लिए व्यवस्थित रहना और लगातार कड़ी मेहनत करते रहना सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

व्यापारी नेता अनिल गर्ग ने सभी छोटे और बड़े व्यापारियों से इन मूल मंत्रों को अपने दैनिक व्यवसाय में लागू करने का आग्रह किया, ताकि वे वर्तमान चुनौतीपूर्ण बाजार में सफलतापूर्वक आगे बढ़ सकें।

महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम की पहल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत गाजियाबाद नगर निगम द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वास्थ्य संरक्षण और जागरूकता के लिए विभिन्न जोनों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर आयुक्त के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन टीम ने यह अभियान महिला सफाई मित्रों और रहवासी महिलाओं के हित में संचालित किया।

अभियान की शुरूआत वसुंधरा जोन, वार्ड 36 से हुई, जहाँ महिला सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। चिकित्सकों ने महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया और संतुलित आहार, नियमित जांच व सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। विजयनगर और मोहन नगर जोन में भी इसी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए गए, जिनमें महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया।

सिटी से लेकर नदियापार तक चलाया गया अभियान

करंट क्राइम : वहीं कवि नगर जोन, वार्ड 67 में रहवासी महिलाओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें नारी सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता पर चर्चा की गई। महिलाओं को लघु उद्योगों से जुड़कर स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया गया। सिटी जोन, शिब्बनपुरा में आयोजित शिविर में महिला सफाई कर्मियों को सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रोत्साहित किया गया। नगर आयुक्त के मार्गदर्शन में आयोजित यह अभियान स्वच्छता के साथ सशक्तिकरण की भावना को साकार करता है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्य न्यायाधीश पर कोर्ट में हुए जूता फेंकने की घटना के विरोध में अधिवक्ता करेंगे प्रदर्शन

गाज़ियाबाद बार एसोसिएशन ने 10 अक्टूबर को राष्ट्रपति को ज्ञापन देने का किया निर्णय

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। गाज़ियाबाद बार एसोसिएशन की एक आपात बैठक आज बार रूम में आयोजित की गई, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक कक्ष में मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंके जाने की घटना की कड़ी निंदा की गई। बैठक में अधिवक्ताओं ने इसे न्याय व्यवस्था और न्यायिक गरिमा पर हमला बताते हुए माननीय राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने का सर्वसम्मत निर्णय लिया।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार यह प्रदर्शन 9 अक्टूबर को होना था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से इसे 10 अक्टूबर 2025 (प्रातः 11 बजे) तक स्थगित कर दिया गया है। अधिवक्ता बार एसोसिएशन परिसर से रैली के रूप में प्रस्थान कर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, गाज़ियाबाद पहुँचेंगे और दोपहर 12 बजे जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे। बैठक में अधिवक्ता विपिन कुमार, निहाल सिंह, रतन सिंह, अमित शर्मा, सतीश कुमार और सुरेश यादव सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डेंगू व मलेरिया की रोकथाम के लिए जीडीए की मुहिम तेज

प्राधिकरण द्वारा फोग्गिंग के साथ जन भागीदारी हेतु जिंगल चलाकर किया जा रहा जागरूक

बिल्डरों द्वारा विकसित सोसाइटियों में एओए को सतर्कता बरतने के निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। देश की राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने उपाध्यक्ष अतुल वत्स के दिशा-निर्देशन में डेंगू की रोकथाम हेतु विशेष अभियान शुरू किया है।

इस अभियान के तहत प्राधिकरण की देखरेख वाली कालोनियों – मधुबन बापूधाम, तुलसी निकेतन और कोयल एन्क्लेव सहित राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में फॉगिंग की जा रही है। साथ ही स्थानीय निवासियों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्राधिकरण ने इस कार्य में जिला स्वास्थ्य विभाग का भी सहयोग लिया है ताकि सभी क्षेत्रों में समन्वित रूप से डेंगू नियंत्रण की कार्रवाई की जा सके।

इसी क्रम में, निजी बिल्डरों द्वारा विकसित टाउनशिपों में जहाँ एओए का गठन हो चुका है, उन सभी एओए प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया है कि वे डेंगू रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाएँ और आवश्यक एहतियाती कदम तत्काल उठाएँ।

प्राधिकरण ने एओए सेल को भी निर्देशित किया है कि सभी एओए/आरडब्ल्यूए को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें और उनके अनुपालन की नियमित समीक्षा करें।

प्राधिकरण ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखें।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य न केवल शहर का विकास है बल्कि नागरिकों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा भी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी निवासियों से अनुरोध है कि वे डेंगू की रोकथाम के इस जनअभियान में सक्रिय सहयोग दें।

डेंगू की रोकथाम के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाएँ

- घरों के आसपास पानी एकत्र न होने दें।
- कूलर, टंकी, बाल्टी, गमले आदि का पानी समय-समय पर बदलते रहें।
- छतों पर पड़े टायर या अन्य वस्तुओं में पानी न रुकने दें।
- मच्छररोधी उपायों का प्रयोग करें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत छात्राओं को किया जागरूक

नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर हुई गोष्ठी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत अभियोजन विभाग द्वारा विद्यावती मुकुन्दलाल डिग्री कॉलेज, दयानंद नगर में छात्राओं और अध्यापिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में सहायक अभियोजन अधिकारी उत्तम त्रिपाठी, कविता रानी, अभियोजन अधिकारी दूधनाथ और अमृतलाल ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि यदि किसी महिला या बालिका के साथ किसी प्रकार का मानसिक या शारीरिक शोषण करने का प्रयास किया जाए तो उसकी तत्काल सूचना विद्यालय प्रशासन, अभिभावकों या निकटवर्ती पुलिस थाने को दें, ताकि राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ऐसे असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम उपासना पांडेय ने छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़ी हेल्पलाइन नंबरों और कानूनी सहायता की जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त निदेशक अभियोजन गाजियाबाद प्रजेश कुमार पांडेय ने की। उन्होंने छात्राओं और अध्यापिकाओं से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और समाज में महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सुंदर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के बीसीए एवं बीटेक छात्रों की इंडस्ट्रियल विजिट

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। सुंदर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस गाजियाबाद के बीसीए एवं बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को डुकेट का इंडस्ट्रियल विजिट किया। यह कार्यक्रम सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक चला। इस विजिट का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना था। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग की महत्ता तथा वैश्विक स्तर पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही प्रायोगिक प्रशिक्षण यानि हँड्स-ऑन भी प्रदान किया गया। द्वितीय सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स एवं ड्रोन तकनीक से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं प्रस्तुति हुई। इस दौरान छात्रों के साथ असिस्टेंट प्रोफेसर माधवी जोशी, अंकित कुमार एवं विभोर गुप्ता उपस्थित रहे। इस विजिट के सफल आयोजन में सुंदर दीप इंजीनियरिंग कॉलेज की निदेशक प्रो. डॉ. मोनिका सेंगर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं, कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग की विभागाध्यक्ष योगिता कौशिक और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की विभागाध्यक्ष वंदना शर्मा ने कार्यक्रम का सफल मार्गदर्शन किया।

अंत में छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और विजिट को अत्यंत सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग, एससीओ, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व रोबोटिक्स सहित अन्य तकनीकी विषयों में प्राप्त ज्ञान उनके लिए बेहद उपयोगी और लाभकारी रहा।

सुंदर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस ऐसे इंडस्ट्रियल विजिट्स के माध्यम से छात्रों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

17000 वर्ग मी. क्षेत्रफल में अवैध कालोनी पर चला जीडीए का बुलडोजर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उपाध्यक्ष अतुल वत्स के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देशों के क्रम में गुरुवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-02 के नेतृत्व में ईशू नेहरा पुत्र रविन्द्र नेहरा, कृष्णापाल व यशवीर उर्फ बाबू पुत्रगण प्रेमचन्द, सुखपाल पुत्र ताराचन्द द्वारा याकूतपुर मवी, दिव्य ज्योति कालेज के बराबर में, निवाडी रोड, मोदीनगर गाजियाबाद के खसरा सं0-35 पर लगभग 17000 वर्ग मी0 क्षेत्रफल में प्लाटिंग हेतु सड़कों का निर्माण करने के लिए मिट्टी डालने व साईड दीवार बनाने हेतु ईट चिनाई का कार्य जारी, स्थल पर कोई स्वीकृत मानचित्र एवं स्वामित्व अभिलेख नहीं दिखाए गये बताए गए नाम के अनुसार चालानी कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त अवैध कालोनी में कालोनाईजर द्वारा बनायी गई सडकें, बाउण्ड्रीवॉल, साईट ऑफिस, आदि को ध्वस्त कर दिया गया। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान कोलोनाईजर /निर्माणकर्ताओं द्वारा भारी विरोध प्रकट किया गया, परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हे नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रखी गयी। स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता एवं प्रवर्तन जोन-02 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। आगामी माह में भी ध्वस्तीकरण/सील की कार्यवाही किये जाने का अभियान जारी रहेगा।

ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत, एक अन्य घायल, चालक फरार

गाजियाबाद। करंट क्राइम। हापुड़ रोड पर हुए एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौत हो गई है जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। सोमवार रात करीब पौने 12 बजे ट्रक ने सेठ मुकंदलाल स्कूल के पास बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को करीब पांच मीटर तक घसीटा। हादसे में बाइक सवार युवक 21 वर्षीय नंदग्राम निवासी कमल की मौत हो गई जबकि 22 वर्षीय रवि गंभीर रूप से घायल हो गया।

दोनों युवक गुब्बारे लगाने का काम करते थे। कार्यक्रम में गुब्बारे लगाने के बाद वे घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रवि को जिला एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां हालत गंभीर होने पर उसे एम्स रेफर कर दिया गया। मौके पर ट्रक छोड़कर चालक फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। ट्रक मुरादाबाद जा रहा था।

श्रद्धांजलि सभा

बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है।
की हमारा लाडला प्रिय

आधार त्यागी

(पुत्र श्री मुनेश त्यागी)
33 वर्ष की अल्प आयु में
बुधवार, 01 अक्टूबर 2025 को
प्रभु चरणों में लीन हो गया है। उसकी आत्मिक शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा बृहस्पतिवार, 09 अक्टूबर 2025 को अपरान्ह 2:00 बजे होनी निश्चित हुई है।

बृहस्पतिवार, 09 अक्टूबर 2025

हवन.....प्रातः 09:00 बजे
हवन स्थल : वी. वी. आई. पी. एड्रसेस, आई-401, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद
श्रद्धांजलि सभा.....दोपहर 02:00 बजे

कार्यक्रम स्थान
स्टार हैरिटेज
राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद (उ0 प्र0)

शोकाकुल परिवार

मुनेश त्यागी (कुर्सी वाले) (पिता)
अगस्तया त्यागी (पुत्र)
मो. 8800926663
निवास : वी. वी. आई. पी. एड्रसेस
राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद

(ताऊ)
ब्रहम प्रकाश त्यागी
सत्यप्रकाश त्यागी
विनोद त्यागी
ज्ञानदत्त त्यागी
एवं समस्त त्यागी परिवार

क्यों दी उसने गाली और फिर फेंक दी खाने से भरी थाली

सीता का हरण भी हो गया और रावण का दहन भी हो गया। मगर सुल्लामल वालों की महाभारत खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इधर राम-सीता-भरत-लक्ष्मण से लेकर दशानन की विदाई हो रही थी और उधर सीन कुछ और ही चल रहा था। व्यवस्था का रिमोट साबुन वालों के हाथ में था। साबुन वाले वैसे भी ताजे खलीफा बने हैं और उनका दीदा राम से ज्यादा ठाकुर द्वारे में लगता है। एक्स कैश वाले खाना खा रहे थे और व्यवस्था बनाने के लिहाज से साबुन वालों ने बैंक वालों से कहा कि ये चेयर हटवा दो। बस इतनी सी बात ही एक्स कैश वालों को खल गई और उनकी जुबान से शब्दों की गोली चल गई। फिर वो खाने से भरी थाली फेंक कर चल दिये। बैंक वाले गुप्ता जी भले आदमी हैं और वो इतनी तकरार के बाद भी पूर्व कैश वालों से ये मनुहार करते रहे कि चौधरी साहब खाना तो खा लो। अब सब ये पूछ रहे हैं कि चलो कुर्सी ना मिली, कोई बात नहीं लेकिन बैंक वालों पर किस बात का ताव दिखा रहे हो। ना वो राम लीला के मैम्बर हैं, ना पदाधिकारी हैं। वो तो सिर्फ धर्म के काम में आपकी खिदमतदारी कर रहे थे।

खत्म नहीं हुई है वो फायर और सुना है मिला है पांच खोखों का ऑफर

भगवागढ़ में बदले का अग्निकुंड ठंडा नहीं होता है। यहां ऐसे मामले झुंड के झुंड हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि निशाने पर भी भगवा हैं और बंदूकें भी भगवा हैं। किस्सा उस दुश्मनी को लेकर चला जिसकी गूंज विकास वाले महकमें से लेकर किसी मुकदमें तक सुनाई देती है। अब बात कितनी सच्ची है, कितनी झूठ है ये तो ईश्वर जानता है। लेकिन बाजार में ये चर्चा चल रही है कि कोई उधर से पांच खोखे लेकर इधर आया था। इस ऑफर में ये भी शामिल था कि टोटल बीस का सौदा है और अनुरोध ये था कि अब गतिरोध बंद हो, अब शिकायत बंद हो। मगर सुना है कि उधर वालों ने इंकार कर दिया। कहानी में किसी जुर्माने का भी जिक्र चल रहा है। वहीं कहने वाले ये भी कह रहे हैं कि इतने बड़े ऑफर पर तो अधिकारी ही मामले में ओके रिपोर्ट लगा देंगे। उनके सितारे बुलंद हैं और आसमान में हैं और जो ऑफर की बात कह रहे हैं वो ना जाने किस गुमान में हैं।

बाबा ने कर दी थी उस्ताद की इंस्ल्ट इसलिए नो वाला तो आना ही था रिजल्ट

किस्सा परम्पराओं वाली रामलीला से निकला है और पूरे शहर में गूंज रहा है। बताते हैं कि उस्ताद ने एक एहसान के बदले दो खलीफाओं की पगड़ी किसी के सर बांध दी। फिर और भी खलीफा बने तो सुना है कि पिछले साल खलीफा बने प्रमुख चेहरे ने वीरो बाबा के नाम की सिफारिश की। गुजारिश ये थी कि उस्ताद आप जब इसे उसे बना रहे हो तो बाबा सीनियर हैं और उनके सिर भी पगड़ी बंधनी चाहिए। सुना है कि उस्ताद ने खलीफा की ये रिक्वेस्ट रिजेक्ट कर दी। अब जिनकी रिक्वेस्ट है वो भी पॉवर वाले सेंटर माने जाते हैं और उस्ताद की तो उनके आगे बिसात ही क्या है। राम वाले बता रहे हैं कि असल में पुरानी कहानी है। बाबा ने उस्ताद की एक बार इंस्ल्ट कर दी थी। अब उस्ताद को जब इंस्ल्ट याद है तो रिजल्ट यही आना था। हालांकि जिन खलीफा ने ये प्रस्ताव रखा, उनके आगे तो उस्ताद साफ्ट ही रहे और ये कह दिया कि असल में बाबा आयु में मुझसे बड़े हैं इसलिए मैं उन्हें खलीफा नहीं बना पाऊंगा।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। उत्तर रेलवे बोर्ड के पूर्व जोनल सदस्य प्रदीप कुमार त्यागी ने अपने सुपौत्र अथर्व त्यागी का 9वां जन्मदिन सादगी के साथ परिवार सहित मनाया। सुपौत्र के जन्मदिन पर प्रदीप त्यागी ने ईश्वर से उसके लिए सर्व मंगल सर्व कल्याण की कामना की। पोते के जन्मदिन पर दादा की खुशियों को बताती यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

करवाचौथ के उपलक्ष्य में मिलन सभा का आयोजन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अखिल भारतीय वैश्य अग्रवाल महासभा की महिला सभा की ओर से करवाचौथ पर्व के उपलक्ष्य में एक विशेष सभा का आयोजन नेहरू नगर में किया गया। सभा की अध्यक्षता डॉ. मधु पोद्दार ने की। महिला सभा की अध्यक्षा भारती गर्ग ने उनका अभिनंदन किया।

इस मौके पर भारती गर्ग ने कहा कि करवा चौथ का पर्व सभी सुहागन महिलाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। सभी महिलाएं अपने परिवार की खुशहाली और पति की लम्बी आयु के लिए व्रत रखती है , पूजा करती हैं। ईश्वर सभी बहनों की मनोकामना पूरी करें। इस मौके पर सभी महिलाओं के लिए तरह तरह के गेम भी आयोजित किए गए, जिसमें सभी ने बढ़ चढ़ कर भागीदारी की तथा भरपूर आनंद लिया। विजेताओं को संस्था की अध्यक्षा श्रीमती गर्ग की ओर से उपहार प्रदान किए गए। इस अवसर पर मिथलेश गुप्ता, अमिता गोयल, रेखा अग्रवाल, राजबाला गोयल, रेनू गर्ग, उषा गर्ग, लता मित्तल, दीपा, रजनी गुप्ता, गीता गोयल, बीना, अल्पना अग्रवाल, रूपल गर्ग आदि अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि सीएम के दरबार में दिखेगा आज गाजियाबाद का अवतार? सुना है नदिया पार के पार्षद हिमांशु शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने की कर ली है भूमिका तैयार? वो उसी कतार में खुद को करेंगे शामिल? जिसमें आम जनता करती है सीएम का इंतजार? अगर हो जायेगी शर्मा जी की सीएम से मुलाकात? तो फिर वो उनसे गाजियाबाद के बढ़े हुए हाउसटैक्स पर खुलकर रखेंगे विचार? देखना अब ये है कि ऐसा हो पाता है या मेहनत रह जायेगी बेकार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम आपको बताना चाहते हैं नदिया पार के यज्ञ को पालने वाले पहलवान जी के दर्द-ए-दिल का फसाना? सुना है आजकल उनके सीने में सुआं घोंप रहे हैं कोई मिस्टर कसाना? सुना है कुल में दीप जलाने वाले कसाना जी ने कर दिये हैं कुछ ऐसे काम? जिसको देखकर पहलवान हैं बहुत परेशान? अपने वार्ड में इनके उद्घाटन की दखल ने फेर दिया है इनका दिमाग? सुना है ये अपनी व्यथा हाल ही में लेकर पहुंच है हैवीवेट वालों के प्रतिनिधि के पास?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि इन्हीं कसाना जी को बताया जाता है नदिया पार की मजबूत रीड? ये करते हैं हैवीवेट वालों से इतनी मोहब्बत कि उनके लिए कभी भी कर सकते हैं अपना सीना चीर? सुना है जब हुआ जीएसटी वाला प्रोग्राम? तब इनके मुख से निकला कटाक्ष वाला तीर? कहा मैं इस कार्यक्रम में जमा हुई भीड को देखकर हूं हैरान? इतने लोग तो मैं तब इकट्ठे कर लेता हूं? जब मैं अपने घेर में रखता हूं चाय-पानी का प्रोग्राम?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि पूर्व एमएलसी कश्यप जी की पीड़ा कही से उड़ कर आई है हमारे पास? इस पीड़ा के हमारे पास आते ही हमें पता चला कि इसमें है पास नहीं मिलने का फलसफा साहब? मुख्यमंत्री के तमाम कार्यक्रमों को लेकर कई पास हुए हैं कश्यप जी के नाम पर जारी? मगर ना जाने कौन है वो चेहरा जो चला देता है पास बनने के बाद उस पर आरी? पास होके भी वो रह जाते हैं सीएम के कार्यक्रम से दूर? अगर हमारी बात पर खटका हो तो कश्यप जी को कुरेद लेना हुजूर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि बड़े दिल वाले जनप्रतिनिधि से युवा त्यागी चेहरा मोहब्बत करता है बहुत ही खास? जब वो होते हैं गाजियाबाद से बाहर तब इस युवा चेहरे के कंधों पर आ जाता है भार? ये रखते हैं हर नजारे पर बारीकी से नजर? इन्हें पता रहता है कौन आया इधर और कौन गया उधर? किसने किस जगह पर दिया टाईम? इस मामले में भी ये जानकारी रखते हैं फाईन? हमने देखा शोक संदेवना वाले कार्यक्रम में इनकी आखिर तक थी कैड़े वाले त्यागी जी पर नजर? जब तक वो इधर रहे तब तक ये भी रहे उनके इधर और उधर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जब हुई वन्स ऑपान ए टाईम कुल में दीप जलाने वाले चौहान जी के जलवे की बात? तब उन्होंने कहा वन्स ऑपान ए टाईम को आप अपने शब्दों से डिलीट करो? क्योंकि हमारा जलवा तब भी ऐसा था और आज भी वैसा ही है साहब? ये शब्द कहते हुए आ रही थी चौहान के चेहरे पर काफी चमक? जैसे वो एहसास करा रहे हों, भले ही सीट पर कोई आकर बैठ गया हो? मगर हमारी उतनी ही है आज भी धमक?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा राम (शर्मा जी) के प्रति आज भी उतने ही हैं उनके भगवा लक्ष्मण (लेख वाले राज) के भाव? वो सबके सामने अपने राम के प्रति मोहब्बत स्वीकारते हैं? नहीं आता है उनके चेहरे पर तनाव? जब एक कार्यक्रम में उनके पीछे मारा किसी ने ताने का धप्पा? तब उन्होंने कहा हमें ये कहने में कोई गुरेज नहीं कि शर्मा जी का ही है हम पर ठप्पा? हमने तो पकड़ी हुई है सिर्फ उन्हीं की लाईन? अब ये बात किसी को बैड लगे या फिर लगे फाईन?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि रेड फेस मैन इन दिनों जीजा जी की वजह से हो गये हैं सेंटर ऑफ एट्रेक्शन? पता चला है उन पर आ गया है दावतें देने का लोड? मगर दावत कैसे दें इस बात पर उनका दिमाग नहीं कर पा रहा है सिलेक्शन? अगर दावत दें तो वो हो जायेगी कांग्रेस वाली बधाई में दर्ज? साले साहब को समझ ही नहीं आ रहा है वो कैसे पूरा करें अपना फर्ज? सामने वाले ने कहा वो दावत दें तो सही? हम बंद कर लेंगे दरवाजे? फिर कभी भी इस बात को बाहर नहीं करेंगे अर्ज?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के जाट पार्षद करते हैं हमेशा मजबूत बात? उनकी बात के पीछे कई तरह के संदेश छिपे होते हैं साहब? उन्होंने उपाध्यक्ष वाली बात पर कर दिया हाल-ए-दिल बयां? कहा अब यहां कोई चुनाव नहीं होने वाला? हमें सबकुछ चल गया है पता? अब सीधे ही अगली योजना में होंगे निगम वाले चुनाव? इस बीच में कोई भी सदन का चुनाव नहीं होना है? ये हम हकीकत बता रहे हैं? इसे मत समझना सुझाव?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि गुरू जी ने रामलीला कमेटी वालों की दिल पर ली हुई है बात? कहने वाले ने कहा आखिर उनकी नाराजगी जायज है? इतने सीनियर चेहरे को अचानक संरक्षक वाले पद से हटाना कहां तक ठीक है साहब? सुना है गुरू जी के प्रतिशोध की अभी जल रही है ज्वाला? पता चला है रामलीला वालों के ऊपर आने वाला है जांच का जाला? कहने वाले ने कहा अभी भी वक्त है? करने वाले कर दें गुरू जी की नाराजगी को दूर? बुझा दें उनके अंदर की आग? यही है हमारा हवाला?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

आईटीएस मोहन नगर के छात्रों ने आईआईएम जम्मू में आयोजित कार्यक्रम में लिया भाग, लौटने पर किया स्वागत

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आईआईएम जम्मू ने मोहन नगर स्थित इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस के बीबीए एवं बीसीए के छात्रों के लिए पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों संस्थाओं के बीच शिक्षा सहयोग को बढ़ावा देने और प्रबंध पेशेवरों को उद्योग जगत के अनूप रूप तैयार करना था। इस कार्यक्रम में बीबीए और बीसए के 25 छात्रों ने भाग लिया। आईआईएम जम्मू में छात्रों का जोरदार स्वागत किया गया।

आईटीएस गाजियाबाद का प्रतिनिधित्व डॉ वंचन त्रिपाठी और प्रोफेसर विशाल त्यागी ने किया। इस 5-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, प्रबंधकों के लिए व्यावसायिक सांख्यिकी, विपणन का विकास, व्यवसाय में डिजिटल परिवर्तन का प्रभाव, डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग, व्यवसायों के लिए एआई और एमएल का परिचय, व्यावसायिक संचार में एआई, नैतिकता और प्रभाव, पूँजी संरचना और उत्तोलन विश्लेषण, संचालन प्रबंधन, आलोचनात्मक सोच, उपभोक्ता व्यवहार, डेटा-संचालित निर्णय: संग्रह और विश्लेषण, व्यावसायिक रणनीति अनुप्रयोग, वित्तीय विवरण विश्लेषण, लीन प्रबंधन, संघर्ष प्रबंधन (गतिविधि-आधारित), आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन जैसे विषयों पर जानकारी प्राप्त की ककॉलेज पहुंचने पर छात्र और उनके अभिभावकों ने आईटीएस यूजी कैंपस, मोहन नगर, गाजियाबाद द्वारा छात्रों को सर्वोत्तम अनुभव और विश्वस्तरीय शिक्षण अनुभव प्रदान कराने के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

नगर निगम ने चलाया विशेष सौंदर्यकरण अभियान

त्योहारों से पहले हरियाली और सुगंध से महकेगा गाजियाबाद

ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज को सजाया जा रहा है विविध प्रजातियों के पौधों से

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम : दिवाली से पहले गाज़ियाबाद नगर निगम ने शहर को हरियाली की नई चादर ओढ़ाने का कार्य शुरू कर दिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में उद्यान विभाग ने शहरभर में व्यापक सौंदर्यकरण अभियान चलाया है। मुख्य मार्गों की ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज को न केवल पेड़-पौधों से सजाया जा रहा है, बल्कि रंग-बिरंगे फूलों की सुगंध से वातावरण को भी महकाया जा रहा है।

आरडीसी से लेकर मेरठ रोड तक बदलेगा नजारा

करंट क्राइम : त्योहारों के मौसम में नगर निगम का उद्देश्य है कि गाज़ियाबाद एक सुगंधित फूलों और हरियाली से संवरता शहर के रूप में नई पहचान बनाए। इस दिशा में निगम द्वारा आरडीसी, कलेक्ट्रेट रोड, विवेकानंद नगर, संजय नगर फ्लाईओवर, वैशाली, वसुंधरा, हिंडन फ्लाईओवर, एयरपोर्ट रोड, एनएच-9 से डायमंड फ्लाईओवर और मेरठ रोड तक के मार्गों की ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज को व्यवस्थित किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने बताया कि इन मार्गों पर कारपेट घास बिछाने के साथ आकर्षक पौधे लगाए जा रहे हैं। पेड़-पौधों की आकृतियों को सुंदरता देने के लिए विशेष कटिंग करवाई जा रही है और पुराने पौधों को बदलकर नई प्रजातियों से सुसज्जित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाली न केवल सौंदर्य बढ़ाती है, बल्कि वायु गुणवत्ता सुधारने और प्रदूषण घटाने में भी मदद करती है।

देसी-विदेशी फूलों से महकेगा शहर

करंट क्राइम : उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज के अनुसार, नगर निगम ने इस अभियान के तहत देश के अलग-अलग शहरों से विशेष पौधे मंगाए हैं, इसमें फोनिक्स पाम (कोलकाता से) और टिकोमा स्टेंस (पुणे से) सहित फाईकस नूड़ा, बेडेलिया, चंपा, मुरॉया, हैमिलिया, चांदनी, कोनो कॉरपस जैसी प्रजातियाँ बड़े पैमाने पर लगाई जा रही हैं। ये पौधे न केवल आकर्षक हैं, बल्कि कम धूप और प्रदूषण वाले क्षेत्रों में भी टिकाऊ हैं। उन्होंने बताया कि माली, हेड माली और सुपरवाइजरों की टीमें रोजाना सफाई, सिंचाई और पौधों की देखरेख कर रही हैं। कुछ स्थानों पर स्वचालित सिंचाई व्यवस्था भी लागू की जा रही है, जिससे पौधों को नियमित रूप से पानी मिल सके। नगर निगम की इस पहल से शहर के दृश्य में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। जहां पहले धूल और सूखे पौधों का दृश्य दिखता था, वहीं अब हरी-भरी पट्टियाँ और रंगीन फूलों की क्यारियाँ लोगों का मन मोह रही हैं। आने वाले दिनों में दीपावली के अवसर पर गाज़ियाबाद न केवल रोशनी से बल्कि हरियाली और सुगंध से महकता शहर बन जाएगा।

घटी हुई जीएसटी दरों पर साहिबाबाद में व्यापारी गोष्ठी

मंत्री सुनील शर्मा बोले, 'मोदी सरकार का यह निर्णय दीपावली का उपहार है'

साहिबाबाद, करंट क्राइम। साहिबाबाद के रॉयल हेरिटेज बैंक्वेट हॉल (निकट आईएमई कॉलेज) में 'घटी हुई जीएसटी दरों पर व्यापारी गोष्ठी – जननायक नरेंद्र मोदी सरकार को धन्यवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील कुमार शर्मा ने व्यापारी वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था आज जनभावनाओं से जुड़ी हुई है। केंद्र सरकार द्वारा घटाई गई जीएसटी दरें केवल कर-संशोधन नहीं, बल्कि जनता और व्यापारियों के लिए दीपावली से पहले मिला बड़ा तोहफा हैं। मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में दवाइयों और सर्जिकल उपकरणों पर जीएसटी घटने से इलाज सस्ता हुआ है, वहीं गृह उपयोगी वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर टैक्स दरें घटने से आम उपभोक्ता को राहत मिली है। वाहन और बीमा क्षेत्र में भी कमी आने से बाजार में नई ऊर्जा आई है। उन्होंने कहा कि अब जीएसटी रिफंड और कर प्रक्रिया पहले से अधिक सरल और पारदर्शी हो चुकी है। मोदी सरकार ने दिखाया है कि वह जनता के हित, व्यापारी के सम्मान और देश के विकास के लिए समर्पित है। यह निर्णय वास्तव में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्ण का प्रतीक है।'

सैकड़ों व्यापारियों ने मोदी सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और यह संकल्प लिया कि वे इस संदेश को जन-जन तक पहुँचाएँगे। कार्यक्रम का संयोजन राजेश त्यागी (महानगर महामंत्री) द्वारा किया गया। प्रमुख उपस्थितजनों में दीपक अग्रवाल, अशोक गुप्ता, अनिरुद्ध अग्रवाल, विनोद निझावन, महिपाल बैसला, राजेंद्र महाजन, बबलू गर्ग, अनिल शर्मा, नरेश चौहान, करतार सिंह, अमरनाथ सिंह, प्रमोद जुलका, एस.बी. सिंह, सुनील, मनोज कुमार, अरुण गुप्ता, विकास गोयल, विकास चुग, राजकुमार राणा, संजय गर्ग, आनंद, विपिन त्यागी, राजीव त्यागी आदि शामिल रहे।

भगवान महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर गाजियाबाद में निकली ऐतिहासिक शोभायात्रा

भव्य आयोजन में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने की भागीदारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भगवान महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव प्रबंधन समिति, महानगर गाजियाबाद के नेतृत्व में आयोजित भगवान महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव समारोह इस वर्ष ऐतिहासिक और भव्य रहा। महानगर कमेटी के नेतृत्व में आयोजित यह शोभायात्रा जटवाड़ा वाल्मीकि प्राचीन मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई भगवान महर्षि वाल्मीकि पार्क तक पहुँची। शोभायात्रा का शुभारंभ अपर नगर आयुक्त अरविंद सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष मास्टर अमीचंद खैरा, भाजपा नेता एवं महामंत्री प्रदीप चौहान वाल्मीकि, नीरज वाल्मीकि, संतोष वाल्मीकि, परवीन सुस्वाल, शक्ति जीनवाल, जुनी वाल्मीकि सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, विधायक संजीव शर्मा, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, सपा नेता अभिषेक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार, सुशांत प्रसाद गोयल सहित भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और भारी संख्या में पार्षद व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मयंक गोयल ने कहा, भगवान महर्षि वाल्मीकि हमारे आदर्श हैं। उन्होंने भगवान राम के परिवार को संस्कार, मयार्दा और युद्धकला सिखाई। रामायण के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है – संस्कारों के बिना जीवन सार्थक नहीं हो सकता। शोभायात्रा में 10 बैंड, 20 झांकियाँ, ढोल-नगाड़े शामिल रहे। शहर की सड़कों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और वातावरण 'जय वाल्मीकि' के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम का संचालन महानगर महामंत्री प्रदीप चौहान वाल्मीकि ने किया, जबकि समापन पर महानगर अध्यक्ष मास्टर अमीचंद खैरा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन समारोह 9 अक्टूबर को शाम 5 बजे भगवान महर्षि वाल्मीकि पार्क में आयोजित किया जाएगा।

पार्षद डॉ. अनिल तोमर ने किया पार्क के निर्माण कार्य का शुभारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वार्ड 98 के जज एनक्लेव में पार्क के नवनिर्माण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जज इंक्लेव के निवासियों ने भी पार्षद का साथ दिया और उनके साथ मिलकर पार्क के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया।

पार्षद डॉ अनिल तोमर ने कहा कि जल्दी ही यह पार्क बनकर बहुत सुंदर दिखेगा और जज इंक्लेव के निवासियों के लिए एक आदर्श स्थल होगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि वार्ड 98 के निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें और उनके जीवन को सुगम बनाया जा सके।

निवासियों ने पार्षद डॉ अनिल तोमर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से जज इंक्लेव का यह पार्क एक सुंदर स्थल बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्षद के कार्यों से उन्हें उम्मीद है कि वार्ड 98 का विकास होगा और निवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो बने पहले अरबपति फुटबॉलर, मेसी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया।

फुटबॉल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस बार यह रिकॉर्ड गोल्स या ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि उनकी बैंक बैलेंस के लिए है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक, रोनाल्डो की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन यूएस डॉलर (लगभग 11,50,00,00,000 रुपये) आंकी गई है, जिससे वह फुटबॉल के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं।

ब्लूमबर्ग ने कहा कि यह पहली बार है जब रोनाल्डो की संपत्ति इस इंडेक्स में शामिल की गई है। इस मूल्यांकन ने उन्हें विश्व फुटबॉल का सबसे अधिक कमाई करने वाला खिलाड़ी बना दिया। इस मामले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी को काफी पीछे छोड़ दिया।

वेतन और क्लब करियर

रोनाल्डो की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा उनके वेतन से आया है। यूरोप में उनका वेतन मेसी के बराबर था, लेकिन 2023 में जब उन्होंने सऊदी अरब के अल नास्र क्लब से साइन किया, तो उनकी कमाई में बड़ा अंतर आया। इस सौदे के तहत उन्हें कर-मुक्त 200 यूएस डॉलर मिलियन वार्षिक वेतन और बोनस के रूप में मिले, साथ ही 30 मिलियन यूएस डॉलर का साइनिंग बोनस भी शामिल था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, 2002 से 2023 तक रोनाल्डो ने कुल 550 मिलियन यूएस डॉलर से अधिक वेतन कमाया।

एयरफोर्स डे परेड में नागरिक सुरक्षा वार्डेनों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद में एयरफोर्स डे परेड के अवसर पर नागरिक सुरक्षा वाडेनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एयरफोर्स हिंडन बेस के द्वारा जिलाधिकारी/नियंत्रक नागरिक सुरक्षा को संबोधित पत्र में अतिथि-विशिष्ट अतिथि और आमंत्रित अतिथियों के आगमन पर यातायात व्यवस्था नियंत्रण एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग हेतु नागरिक सुरक्षा में नागरिक सुरक्षा वाडेनों की ड्यूटी लगाई गई थी।

130 वाडेनों ने की ड्यूटी : लगभग 130 नागरिक सुरक्षा वाडेनों ने एयरफोर्स और पुलिस के साथ ड्यूटी की। वार्डेनों को एयरफोर्स वायु चौक मेन गेट, एयरफोर्स हॉस्पिटल गेट न.2, एयरफोर्स करहेडा गेट 3, करण गेट, नाग द्वार, मोहन नगर चौराहा, एलिवेटेड रोड पर तैनात किया गया था।

वाडेनों का नेतृत्व : सभी वाडेनों का नेतृत्व चीफ वार्डन ललित जायसवाल, डिप्टी कंट्रोलर नीरज चक, ए डी सी गुलाम नबी ने किया। डिविजनल वार्डन ए के ठाकुर और ए के जैन की देखरेख में वाडेनों ने अपनी ड्यूटी निभाई।

प्रभारियों की नियुक्ति: प्रत्येक स्थल पर एक प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए गए थे, जिन्होंने अपनी टीम के साथ ड्यूटी निभाई। प्रभारियों में अशोक कुमार, नीतीश कुमार सिंह, अनिल तिवारी, गुलाम रसूल, एम पी रेड्डी, मंजूर हसन, राजेंद्र शर्मा और दीपक अग्रवाल शामिल थे।

भारत में क्रिकेट की तरह कोरिया में तीरंदाजी की लोकप्रियता: ब्रैडी एलिसन

नई दिल्ली। ब्रैडी एलिसन ने कहा कि दक्षिण कोरिया की तीरंदाजी में बादशाहत वहां के पेशेवर ढांचे का परिणाम है जहां इस खेल की लोकप्रियता की तुलना भारत में क्रिकेट की तरह है। कोरिया का दबदबा पेरिस 2024 ओलंपिक में भी कायम रहा जहां महिलाओं की टीम ने लगातार 10वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता।

अमेरिका के दिग्गज तीरंदाज ब्रैडी एलिसन ने कहा कि दक्षिण कोरिया की तीरंदाजी में बादशाहत वहां के पेशेवर ढांचे का परिणाम है जहां इस खेल की लोकप्रियता की तुलना भारत में क्रिकेट की तरह है। कोरिया का दबदबा पेरिस 2024 ओलंपिक में भी कायम रहा जहां महिलाओं की टीम ने लगातार 10वां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता।

कोरिया की महिला टीम 1988 सियोल ओलंपिक से अब तक अजेय रही है। पुरुष वर्ग में किम वू-जिन ने अपने करियर का पांचवां ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता जो किसी भी तीरंदाज द्वारा सबसे ज्यादा है।

पांच बार के ओलंपियन एलिसन ने दिल्ली में आयोजित तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) से इतर ह्यपीटीआई को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा, कोरिया दुनिया का इकलौता देश है जहां तीरंदाजी के लिए समर्पित पेशेवर प्रणाली है। उनके हर तीरंदाज का मुख्य पेशा यह है और उनकी रोजी रोटी इस खेल से चलती है, । इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की वह तीरंदाज राष्ट्रीय टीम में हो या नहीं।

उन्होंने कहा, वहां तीरंदाजी वैसी है जैसे भारत में क्रिकेट या अमेरिका में फुटबॉल। बच्चे काफी कम उम्र से ही पेशेवर तीरंदाज बनने का सपना देखते हैं। उनके 50वें रैंक के खिलाड़ी की आमदनी शायद मुझसे ज्यादा है।

एलिसन ने कहा कि कोरिया में तीरंदाज ओलंपिक की तैयारी करने वाले नहीं, बल्कि पूर्णकालिक पेशेवर माने जाते हैं। उन्होंने कहा, वहां बच्चे पांच-छह साल की उम्र से ही तीरंदाज बनने का सपना देखने लगते हैं। यही उनका जुनून और मुख्य खेल बन जाता है। बाकी जगहों पर लोग सिर्फ ओलंपिक टीम में आने के लिए इस खेल से जुड़ते हैं।

कोरिया में तीरंदाज इसे अपना करियर बनाते हैं। यही उन्हें जिंदगी में स्थिरता और सफलता दिलाता है। एलिसन रिकर्व तीरंदाजी में अगस्त 2011 से अप्रैल 2013 तक सबसे अधिक समय के लिए शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी रहे हैं। ओलंपिक में पांच पदक के साथ वैश्विक प्रतियोगिताओं में 60 से अधिक पदक जीतने वाले एलिसन का मानना है कि भारत हमेशा ओलंपिक पदक की दौड़ में रहता है।

उन्होंने कहा, ह्यह्यभारत के पास विश्व कप और चैंपियनशिप में ढेरों पदक हैं। अगर आप अपने सर्वश्रेष्ठ दो रिकर्व तीरंदाजों को मिश्रित टीम में उतारें, तो उन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा।ह्व लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में पहली बार कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा को शामिल किया जायेगा।

उन्होंने कहा, ह्यह्य भारत की पदक की संभावना सिर्फ कंपाउंड में नहीं बल्कि रिकर्व में भी काफी अधिक है। अभी कई भारतीय तीरंदाज बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। ओलंपिक अभी तीन साल दूर है, लेकिन भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

एलिसन ने किसिक ली की भारत के नए रिकर्व मुख्य कोच के रूप में संभावित नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, वह दुनिया के सबसे अच्छे कोच में से एक है।

उन्होंने जहां भी काम किया है वहां ओलंपिक पदक और विश्व चैंपियन दिए हैं। यह भारत के लिए बहुत बड़ा फायदा होगा।

एलिसन खुद अपने करियर के शुरूआती दौर में कोच किसिक ली के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग ले चुके हैं।

भारत की अडंर-19 टीम का जलवा ऑस्ट्रेलिया को दूसरे यूथ टेस्ट में भी हराया

नई दिल्ली। बुधवार को भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को दूसरे यूथ टेस्ट में भी शिकस्त दी है। टीम इंडिया ने मेजबान टीम को 7 विकेट से शिकस्त देकर 2 यूथ टेस्ट की सीरीज को क्लीन स्वीप किया है। पहले यूथ टेस्ट में भी भारतीय टीम ने पारी और 58 रन के अंतर से जीत हासिल की।

भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को दूसरे यूथ टेस्ट में भी शिकस्त दी है। बुधवार को टीम इंडिया ने मेजबान टीम को 7 विकेट से शिकस्त देकर 2 यूथ टेस्ट की सीरीज को क्लीन स्वीप किया है। पहले यूथ टेस्ट में भी भारतीय टीम ने पारी और 58 रन के अंतर से जीत हासिल की। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 3 वनडे मुकाबले हुए थे और भारतीय टीम ने तीनों में जीत हासिल की थी।

दूसरे यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 135 रन बनाए। एलेक्स ली यंग ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए थे और यश देशमुख ने 22 रन का योगदान दिया। जवाब में भारतीय टीम ने पहली पारी में 171 रन बनाकर 36 रनों की अहम लीड ले ली। भारत अंडर-19 की पहली पारी में दीपेश देवेंद्रन ने सबसे ज्यादा 28 रन, हरवंश पंगालिया ने 26, हेनिल पटेल ने 22 और वैभव सूर्यवंशी ने 20 रन का योगदान दिया।

पहली पारी में 135 रन पर सिमटने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी पारी में 116 रन पर सिमट गई। इस तरह भारतीय टीम को जीत के लिए 81 रन बहुत ही आसान लक्ष्य मिला। एलेक्स ली यंग एक बार फिर मेजबानों की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में 38 रन बनाया। भारत अंडर 19 ने सिर्फ 3 विकेट खोकर दूसरा यूथ टेस्ट भी 7 विकेट से अपने नाम कर लिया।

मायावती की रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश, हजारों की संख्या में हुए लखनऊ के लिए रवाना

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आज लखनऊ में होने वाली बसपा की महारैली के लिए गाजियाबाद से हजारों की संख्या में बसपा कार्यकर्ता और समर्थक राजधानी के लिए रवाना हुए। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 10 से ज्यादा बसों में सवार होकर कार्यकर्ता और बसपा समर्थक लखनऊ पहुंचे। बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर कांशीराम स्मारक पर विशाल जनसभा का आयोजन किया गया है। इस जनसभा को बसपा की ओर से 2027 चुनाव के लिए शंखनाद करने के रूप में देखा जा रहा है। इस जनसभा को बसपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती संबोधित करेंगी। इस जनसभा में बसपा के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए गए आकाश आनंद की री लॉन्चिंग भी होगी। कार्यक्रम के दौरान मायावती कार्यकताओं को 2027 विधानसभा चुनाव के लिए तैयार करने को लेकर जोश भरेंगी।

बसपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र मोहित ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से बसों ट्रेनों और अपने वाहनों से कार्यकर्ता लखनऊ के लिए रवाना हो चुके हैं। कई कार्यकर्ता तो 6 तारीख को ही लखनऊ के लिए प्रस्थान कर गए हैं। उन्होंने कहा कि लोनी विधानसभा क्षेत्र से 12 बसों में भरकर कार्कर्ता लखनऊ के लिए रवाना हुए। सभी कार्यकर्ता सुबह लखनऊ पहुंच जाएंगे और रमाबाई पार्क में इकट्ठा होंगे, वहां से जुलूस की शक्ल में जनसभा स्थल पहुंचेंगे। लोनी विधानसभा क्षेत्र से 12 से लखनऊ गई है। विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी वार्ड, और जोनल कमेटियों के सदस्यों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक लखनऊ के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद विधानसभा से भी 15 बेस लखनऊ के लिए रवाना हुई है। इन बसों के अलावा ट्रेनों से सबसे ज्यादा कार्यकर्ता लखनऊ के लिए रवाना हुए हैं। मुरादनगर विधानसभा से भी 12 बसें लखनऊ के लिए रवाना की गई है। इसके अलावा मोदी नगर और साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र से भी 10 से 12 बसें गई है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक अपने वाहनों से राजधानी लखनऊ के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में से करीब 15000 कार्यकर्ता पार्टी अध्यक्ष को सुनने लखनऊ गए हैं। बसपा अध्यक्ष मायावती इस रैली के माध्यम से 2027 के लिए अपनी ताकत का इजहार करेंगे। इस रैली के लिए बसपा ने पिछले दो महीना से तैयारी की है। इसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र में जिम्मेदारी देकर कार्यकताओं से जनसंपर्क किया गया। बसपा का कहना है कि रैली में पांच से सात लाख कार्यकर्ता और समर्थक जुटेंगे। उल्लेखनीय है कि 2007 में बसपा को 208 सींटें मिली थी तब बसपा ने सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय रणनीति के तहत बड़ी संख्या में अपर कास्ट को टिकट दिया था। 208 में से 80 विधायक बसपा के अपर कास्ट ब्राह्मण और राजपूत समाज से थे। 2007 के चुनाव में भारी सफलता मिलने के बाद बसपा का प्रभाव कम होता गया। 2022 में बसपा को सिर्फ एक विधानसभा सीट मिली और 2024 लोकसभा चुनाव में बसपा को एक भी सीट नहीं मिली जबकि आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने नगीना सीट पर जीत हासिल की थी। 2027 विधानसभा चुनाव में दलित वोटो को लेकर बसपा और आजाद समाज पार्टी के बीच जबरदस्त मुकाबला देखा जाएगा। दलित वोटों को अपनी और करने के लिए बसपा ने एडी चोटी का जोड़ लगा दिया है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने सभी जिला एवं महानगर कमेटी को अक्टूबर के अंत से भाईचारा कमेटियों की बैठक कर सम्मेलनों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। आज होने वाली रैली में भीड़ जुटा कर बसपा अपनी खोई हुई ताकत को फिर से पाने की कोशिशें में जुट गई है। बसपा सूत्रों का कहना है कि इस रैली के जरिए पार्टी अध्यक्ष मायावती उत्तर प्रदेश में तीसरी ताकत बनकर उभरेंगी।

लखनऊ पहुंचे बसपा के महानगर उपाध्यक्ष पंकज शर्मा ने बताया कि लखनऊ पहुंचने के बाद कार्यकताओं का जोश दुगना हो गया वे सड़क के किनारे अपने लिए खान और ठहरने का इंतजाम करने लगे हैं। सड़कों के किनारे ही कार्यकर्ता रात गुजार देंगे उसके बाद सुबह होते ही वे जनसभा स्थल की ओर रवाना हो जाएंगे।

स्वर्गीय फतेह चंद गोयल को श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़ पड़ा जनसैलाब

गाजियाबाद करंट क्राइम। वरिष्ठ अधिवक्ता, शिक्षाविद, स्वर्गीय फतेह चंद गोयल की शोकसभा सुख-सागर फार्म हाउस में आयोजित हुई। जिला जज हरीश गोयल तथा जीडीए बोर्ड सदस्य पवन गोयल तथा अधिवक्ता संदीप गोयल के पिता फतेह चंद गोयल के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने श्रद्धांजलि सभा में पहुंच कर फतेह चंद गोयल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में जहां भाजपा के कई दिग्गज और स्थानीय नेता पहुंचे वहीं अन्य दलों के नेताओं ने भी पहुंच कर स्वर्गीय फतेह चंद गोयल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किये।

दो दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहुंचे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। इस दौरे का उद्देश्य भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करना है। वे 9 और 10 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया में रहेंगे। रक्षा मंत्री का स्वागत गोपाल बागले (भारत के हाई कमिश्नर) और वरिष्ठ ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने सिडनी किंग्सफोर्ड स्मिथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर किया।यह दौरा ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के निमंत्रण पर हो रहा है। दोनों देशों के बीच गहरे होते रणनीतिक संबंधों के बीच यह यात्रा खास अहमियत रखती है।

रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाने का लक्ष्य

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष और अन्य शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में रक्षा सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा मजबूत करने और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में साझेदारी को गहरा करने पर चर्चा होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान के साथ मिलकर चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (क्वाड) के तहत एक मुक्त, खुला और सुरक्षित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं।

इस दौरे के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इनमें शामिल हैं। इसमें पहला- सूचना साझेदारी में सहयोग बढ़ाना, दूसरा- समुद्री क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना और तीसरा- संयुक्त गतिविधियों को प्रोत्साहन देना शामिल हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों लोकतांत्रिक मूल्य, संसदीय प्रणाली और कॉमनवेल्थ परंपरा को साझा करते हैं। इसके अलावा व्यापार, शिक्षा और पर्यटन ने भी इस साझेदारी को और मजबूत किया है। बड़ी संख्या में भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करते हैं और खेल-कूद के क्षेत्र में भी दोनों देशों के संबंध प्रगाढ़ हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच नए और ठोस कदम उठाने का रास्ता खुलेगा, जिससे रक्षा साझेदारी और मजबूत होगी।

रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर करेंगे मंथन

पांच साल की 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी'

यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और ऑस्ट्रेलिया अपने व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी)के पांच साल पूरे कर रहे हैं। दोनों देशों ने 2009 में 'रणनीतिक साझेदारी' की शुरूआत की थी, जिसे 2020 में 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाया गया। 2014 के बाद यह किसी भारतीय रक्षा मंत्री की ऑस्ट्रेलिया की पहली यात्रा है। दौरे का सबसे अहम हिस्सा दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी। इसके अलावा राजनाथ सिंह सिडनी में एक बिजनेस राउंड टेबल की अध्यक्षता भी करेंगे, जिसमें दोनों देशों के उद्योग जगत के नेता शामिल होंगे।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रक्षा संबंधों में विस्तार

गौरतलब है कि भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रक्षा संबंधों में विस्तार हुआ है। इसके तहत सेनाओं के बीच व्यापक संपर्क, सैन्य आदान-प्रदान, उच्च स्तरीय दौरे, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, समुद्री क्षेत्र में सहयोग, जहाज यात्राएं और द्विपक्षीय अभ्यास शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता होगी

रक्षा मंत्री की यात्रा का मुख्य आकर्षण उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता होगी। वह सिडनी में एक व्यावसायिक गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के उद्योग जगत के प्रमुख भाग लेंगे। वह आस्ट्रेलिया के अन्य राष्ट्रीय नेताओं से भी मिलेंगे।

बाइडन ने उपराष्ट्रपति रहते छिपाई थीं यूक्रेन में भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें

सीआईए की फाइलों से हुआ खुलासा

वाशिंगटन। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पुराने रिकॉर्ड से एक बड़ा खुलासा हुआ है। इन फाइलों के मुताबिक, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और उस समय के उपराष्ट्रपति जो बाइडन ने दिसंबर 2015 में यूक्रेन यात्रा के दौरान भ्रष्टाचार पर जो भाषण दिया था, उसके पीछे एक बड़ी कहानी छिपाई गई थी। यूक्रेन के अधिकारियों ने उस समय अमेरिकी रुख को 'दोहरा मापदंड' बताया था, लेकिन यह नाराजगी अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट से हटा दी गई थी। यह जानकारी हाल ही में उजागर की गई सीआईए की फाइलों से सामने आई है।

क्या है पूरा मामला?

दिसंबर 2015 में जो बाइडन ने यूक्रेन की राजधानी कीव का दौरा किया था, वहां उन्होंने यूक्रेनी संसद में भाषण देकर कहा था कि भ्रष्टाचार 'कैंसर' की तरह है और इसे जड़ से खत्म करना होगा। इस भाषण के बाद यूक्रेनी अधिकारी नाराज थे। उनका कहना था कि अमेरिका खुद भ्रष्टाचार पर दोहरी नीति अपना रहा है, क्योंकि उस समय बाइडन के बेटे हंटर बाइडन यूक्रेन की ऊर्जा कंपनी बुरिज्मा होल्डिंग्स में काम कर रहे थे और हर साल लगभग 1 मिलियन डॉलर का मेहनताना ले रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने निजी तौर पर कहा था कि जब अमेरिका ही इस तरह के पारिवारिक संबंधों को नजरअंदाज कर रहा है, तो उसे दूसरों को भ्रष्टाचार पर भाषण देने का कोई हक नहीं बनता।

राष्ट्रपति की दैनिक खुफिया रिपोर्ट में दुनिया भर की अहम राजनीतिक और सुरक्षा जानकारियां दी जाती हैं ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति समय रहते किसी भी संकट से निपटने की तैयारी कर सकें। यूक्रेन की इस नाराजगी को रिपोर्ट से हटा देना यह दिखाता है कि अमेरिकी प्रशासन ने उस समय बाइडन परिवार से जुड़े विवाद को छुपाने की कोशिश की थी। इसके अलावा, इसी दौरान अमेरिकी मीडिया में भी हंटर बाइडन के यूक्रेन से जुड़े वित्तीय लेनदेन पर सवाल उठ रहे थे। यूक्रेनी अधिकारियों ने इस अमेरिकी मीडिया कवरेज को 'दोहरा रवैया' कहा था।

इन पुरानी फाइलों को हाल ही में सीआईए के आंतरिक समीक्षा अभियान के दौरान खोजा गया। यह जांच अभियान जॉन रैटक्लिफ के निर्देश पर हुआ, जो उस समय सीआईए निदेशक थे। इसके बाद ही यह रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। जो बाइडन अब पूर्व राष्ट्रपति हैं और 82 वर्ष के हो चुके हैं। लेकिन यह मामला इसलिए अहम बन गया है क्योंकि 2024 के बाद अमेरिकी राजनीति में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बहस चल रही है।

क्यों दबाई गई रिपोर्ट?

सीआईए की उजागर की गई फाइलों के अनुसार, यूक्रेन की इस नाराजगी की रिपोर्ट तैयार तो हुई थी, लेकिन इसे तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कॉलिन का के अनुरोध पर राष्ट्रपति के दैनिक खुफिया ब्रीफ (पीडीबी) में शामिल नहीं किया गया। सीआईए के एक अधिकारी की तरफ से 10 फरवरी 2016 को भेजे गए ईमेल में साफ लिखा गया- का चाहते हैं कि यह रिपोर्ट प्रसारित न की जाए।' यह ईमेल उस समय राष्ट्रपति बराक ओबामा को रोजाना ब्रीफ देने वाले अधिकारी माइकल डेम्पसी ने भेजा था। डेम्पसी सीधे खुफिया प्रमुख जेम्स क्लैपर को रिपोर्ट करते थे। बता दें कि क्लैपर पर पहले से ही रूसगेट स्कैंडल में भूमिका को लेकर जांच के दायरे में हैं।

न्यूज डायरी

माउंट एवरेस्ट पर फंसे 900 पर्वतारोहियों को किया गया रेस्क्यू, बर्फीले तूफान की चपेट में आए

नेपाल। माउंट एवरेस्ट के चीनी हिस्से में बीते दिनों आए एक बर्फीले तूफान में फंसे लगभग 900 पर्वतारोहियों, गाइड और अन्य कर्मचारियों को सुरक्षित बचा लिया गया है। चीन के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। शनिवार रात इस क्षेत्र में एक भयंकर तूफान आया, जिससे माउंट एवरेस्ट पर करीब 4,900 मीटर की ऊंचाई पर तंबुओं में ठहरे पर्वतारोही फंस गए। तूफान के चलते कुल मिलाकर, 580 पैदल यात्री और 300 से ज्यादा गाइड, याक चरवाहे और अन्य कर्मचारी फंसे हुए थे। स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया गया कि लगभग 350 पर्वतारोहियों को सोमवार दोपहर और बाकी को मंगलवार तक सुरक्षित बचा लिया गया। कुछ लोग को कथित तौर पर हाइपोथर्मिया की परेशानी हुई है। हालात को देखते हुए माउंट एवरेस्ट पर फिलहाल पर्यटन को बंद कर दिया गया है। नेपाल में भी बीते सप्ताह आए एक तूफान में माउंट एवरेस्ट के दक्षिण में 6,476 मीटर ऊंचाई पर एक दक्षिण कोरियाई पर्वतारोही की मौत हो गई थी।

इस्राइली सेना ने गाजा जा रही नौकाओं को रोका, कई कार्यकताओं को हिरासत में लिया

इस्राइल। इस्राइली सेना ने उसकी नाकेबंदी को तोड़ बुधवार तड़के भूमध्य सागर के रास्ते गाजा जाने की कोशिश कर रही नौ नौकाओं को रोक लिया और उन पर सवार कई कार्यकताओं को हिरासत में ले लिया। नौकाओं के प्रायोजक और इजराइली विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि नौकाओं पर सवार 145 कार्यकताओं को इस्राइल के तट पर लाया जा रहा है और उम्मीद है कि उन्हें शीघ्र ही निर्वासित कर दिया जाएगा। उसने बताया कि सभी कार्यकताओं की सेहत ठीक है। इस्राइल ने पिछले हफ्ते भी 40 से अधिक नौकाओं पर सवार होकर सांकेतिक रूप से गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने की कोशिश कर रहे यूरोपीय सांसदों और जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित लगभग 450 कार्यकताओं को हिरासत में लिया था।

कैलिफोर्निया में दिवाली बनी सरकारी छुट्टी, गवर्नर गेविन न्यूसम ने रचा इतिहास; भारतीयों में खुशी की लहर

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में अब दिवाली आधिकारिक तौर पर राज्य की छुट्टियों की सूची में शामिल हो गई है। मंगलवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने असेंबली बिल 268 पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का रूप दे दिया। इस कानून के तहत अब कैलिफोर्निया के सरकारी कर्मचारी, कम्युनिटी कॉलेज, और सरकारी स्कूल दिवाली पर छुट्टी ले सकेंगे। इसके साथ ही, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को दिवाली के अर्थ और महत्व पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति भी दी गई है। इस बिल में कहा गया है कि राज्य के कर्मचारी दिवाली के दिन वेतन सहित अवकाश ले सकते हैं। स्कूल और कॉलेज दिवाली के दिन बंद रह सकते हैं। शैक्षणिक संस्थान दिवाली के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। इस फैसले से कैलिफोर्निया में रह रहे करीब 10 लाख दक्षिण एशियाई मूल के लोगों, खासतौर पर भारतीय और भारतीय-अमेरिकी समुदाय में, खुशी की लहर दौड़ गई है। अजय भूटोरिया, जो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के पूर्व सलाहकार रहे हैं और सिलिकॉन वैली के प्रसिद्ध उद्यमी और समाजसेवी हैं, ने इस फैसले की सराहना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'धन्यवाद गवर्नर गेविन न्यूसम, जिन्होंने दिवाली को कैलिफोर्निया की राज्य छुट्टी बनाया। असेंबली मेंबर आश कालरा और दर्शन पटेल का भी आभार जिन्होंने इस बिल को मंजिल तक पहुंचाया, यह रोशनी, एकता और विविधता का उत्सव है।'

गूगल को बड़ा झटका: प्ले स्टोर में हर हाल में शीघ्र करना होगा बदलाव, सुप्रीम कोर्ट का पुराना आदेश बरकरार

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक साल पुराने उस आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, जिसके तहत गूगल को अपने एंड्रॉइड एप स्टोर में बड़े बदलाव करने थे। इससे कंपनी को शीघ्र ही प्ले स्टोर में सुधार लागू करना होगा, जो अमेरिका में अधिकांश गैर-एपल स्मार्टफोन के लिए एंड्रॉइड एप्स का प्लेटफॉर्म है। आदेश का मकसद गूगल के प्ले स्टोर के विरुद्ध प्रतिस्पर्धा बढ़ाना और उसे अवैध एकाधिकार से रोकना है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मतलब है कि गूगल को 22 अक्तूबर तक अपने प्ले स्टोर में उन एप्स के लिए बदलाव शुरू करना होगा जो उस एंड्रॉइड सॉफ्टवेयर पर चलते हैं।
जज जेम्स डोनाटो ने कहा, गूगल द्वारा बनाई गई डिजिटल दीवारों ने कंपनी को अरबों का वार्षिक लाभ दिया। विशेषकर इन-एप लेनदेन पर 15-30% शुल्क लेने की प्रणाली के जरिये गूगल ने अपने एकाधिकार का फायदा उठाया। अमेरिकी जिला जज ने अक्तूबर 2023 में गूगल को प्रतिस्पर्धियों को एप्स तक पहुंच देने के लिए भी बदलाव के आदेश दिए थे। गूगल ने सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि डोनाटो के आदेश से प्ले स्टोर के 10 करोड़ से अधिक अमेरिकी यूजरों को सुरक्षा जोखिम का सामना करना पड़ेगा, लेकिन कोर्ट ने उसकी नहीं सुनीं। प्ले स्टोर बदलावों से गूगल के लाभ पर असर पड़ सकता है, लेकिन कंपनी का मुनाफा डिजिटल विज्ञापन व सर्च इंजन से आता है। वर्ष की शुरूआत में, कोर्ट ने इस मामले में गूगल के संभावित विभाजन प्रस्ताव को खारिज कर राहत दी थी।

चीन के 20 जे-10सीई लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रहा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश ने 2.2 अरब डॉलर के सौदे में 20 चीनी जे-10सीई लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजना बनाई है। यह सौदा प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य संबंधित खर्चों को भी कवर करेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में सरकारी दस्तावेजों के हवाले से कहा गया, बांग्लादेश 2026 और 2027 के दौरान इन लड़ाकू विमानों को प्राप्त करेगा, ताकि वायुसेना को आधुनिक बनाया जा सके और देश की वायु रक्षा को मजबूत किया जा सके। हालांकि, इस सौदे की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि भुगतान दस वित्तीय वर्षों में (यानी 2036 तक) किया जाएगा। जब रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो वित्त सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने कहा, 'मैं इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।' उन्होंने कहा, 'क्या सिर्फ इसलिए कि मुझे कुछ पता है, मुझे सब कुछ बताना जरूरी है?' रिपोर्ट में कहा गया है कि जे-10सीई चीन के जे-10सी का निर्यात संस्करण है, जो पहले ही चीनी वायुसेना में सेवा में है।

रसायन के लिए नोबेल पुरस्कार का एलान

जापान-ऑस्ट्रेलिया और यूएस के वैज्ञानिकों को मिला सम्मान

वाशिंगटन। रसायन में नोबेल पुरस्कार 2025 की घोषणा हो चुकी है। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार (08 अक्तूबर) को इसका ऐलान किया। इस साल ये सम्मान तीन वैज्ञानिक सुसुमु कितागावा (जापान), रिचर्ड रॉबसन (ऑस्ट्रेलिया) और उमर एम. याघी (अमेरिका) को मिला है।

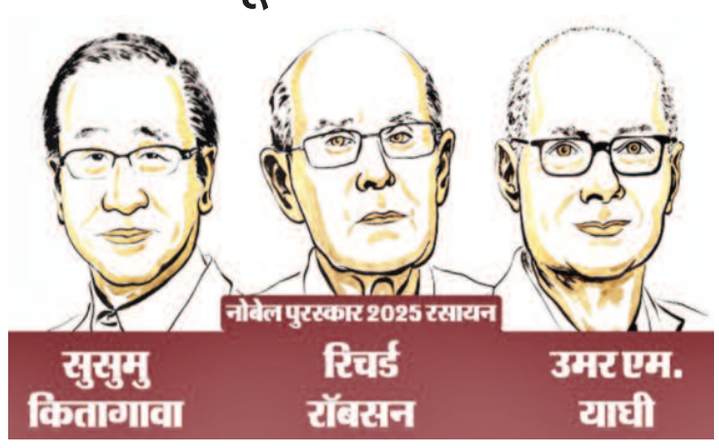

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी को धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास के लिए रसायन विज्ञान में 2025 का नोबेल पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। सुसुमु कितागावा जापान के क्योटो विश्वविद्यालय से हैं, रिचर्ड रॉबसन ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय से और अमेरिका के बर्कले स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से उमर एम. याघी हैं।

तीनों वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से धातु-कार्बनिक ढांचे बनाने में उनके अग्रणी कार्य के लिए सम्मान दिया गया है। मालूम हो कि विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (भारतीय रुपयों में 10.3 करोड़), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क में योगदान

रसायन में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार इन वैज्ञानिकों को मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क में अपने योगदान के लिए दिया गया है। जो कि कार्बन और मेटल दोनों से मिलकर बने होते हैं, इनका उपयोग केमिकल प्रोसेस में सहयोग, गैस को जोड़े रखने और कार्बन डाइऑक्साइड को हवा में से हटाने के लिए किया जाता है।

इन शोधकताओं को पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि 10 दिसंबर को एक समारोह में औपचारिक रूप से स्टॉकहोम में प्रदान किया जाएगा। बता दें कि 1901 से 2024 के बीच 195 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को 116 बार रसायन के लिए यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। गौरतलब है कि अल्फ्रेड नोबेल एक धनी स्वीडिश उद्योगपति और डायनामाइट के आविष्कारक थे और उन्होंने ही इन पुरस्कारों की स्थापना की थी।

पाकिस्तान को मिलेगी एडवांस मिसाइलें?

इस्लामाबाद। वैश्विक मंच पर हमेशा से ही गिड़गिड़ाने वाला पाकिस्तान इन दिनों अमेरिका के सामने अपना कटोरा लेकर खड़ा है। शायद इसी कारण इन दिनों अमेरिका और पाकिस्तान के बीच रक्षा सौदें को लेकर एक बात खुब चर्चा में है। संभावना इस बात की तेज है कि पाकिस्तान को अमेरिका से जल्द ही एडवांस मीडियम-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल मिलने वाला है।

दावा किया जा रहा है कि दोनों देशों के बीच रिश्तों में हालिया सुधार के बीच यह रक्षा सौदा चर्चा में है। बता दें कि ये पूरा मामला प्रकाश में तब आया जब अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में एक रक्षा अनुबंध की जानकारी दी है, जिसमें 35 देशों के साथ पाकिस्तान का भी नाम शामिल है। इस अनुबंध के तहत अमेरिका की कंपनी रेथियॉन को AIM-120C8 और D3 वर्जन की मिसाइलें बनाने का काम सौंपा गया है। कुल अनुबंध की कीमत करीब 2.5 अरब डॉलर है और काम पूरा होने की समयसीमा 30 मई 2030 तक तय की गई है।

हालांकि इन सभी चचाओं के बीच अब तक यह साफ नहीं है कि पाकिस्तान को कितनी मिसाइलें मिलेंगी, लेकिन यह सौदा पाकिस्तान के लिए सैन्य दृष्टि से बड़ा कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सौदा पाकिस्तान एयरफोर्स के ऋ 16 फाइटर जेट्स के अपग्रेड की ओर संकेत करता है, क्योंकि अटफ्अअट मिसाइल सिर्फ इन्हीं विमानों के साथ संगत होती है।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला

काफिले पर चलाई गईं गोलियां; बाल-बाल बचे

इक्वाडोर। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ पर जानलेवा हमला हुआ है। दरअसल करीब 500 प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला किया और पत्थर मारे। गनीमत रही कि इस हमले में राष्ट्रपति नोबोआ को चोट नहीं पहुंची और वे सुरक्षित हैं। इक्वाडोर सरकार के मंत्री इनेस मानजानो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि राष्ट्रपति पर हमले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानलेवा हमले की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि कार पर गोलियां चलने का पता चला है। फिलहाल पुलिस ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है।

आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद की धाराओं में दर्ज किया गया मामला

राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से बताया गया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ आतंकवाद और जान लेने की साजिश रचने के आरोप लगेंगे। राष्ट्रपति नोबोआ पर हमला राष्ट्रीय मूल नागरिक संघ के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। यह संघ बीते दो हफ्ते से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। प्रदर्शनकारी सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें डीजल सब्सिडी को सरकार ने घटाकर कम कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से छोटे किसान और मूल नागरिक समाज के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। संघ के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान ही राष्ट्रपति नोबोआ के काफिले पर हमला हुआ। जिस जगह राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ के काफिले पर हमला हुआ, उसी दिन वहां से 77 किलोमीटर दूर राष्ट्रपति नोबोआ ने छात्रों के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से हिंसक घटनाओं में शामिल न होने की अपील की। अपने ऊपर हुए हमले को लेकर उन्होंने कहा कि नए इक्वाडोर में इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हर किसी को कानून का सामना करना पड़ेगा।

टीटीपी आतंकियों से मुठभेड़ में पाकिस्तान के 11 जवानों की मौत, मृतकों में लेफ्टिनेंट कर्नल भी शामिल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी आतंकियों के साथ हुई एक मुठभेड़ में पाकिस्तानी सेना के 11 जवानों की मौत हो गई है। मरने वालों में लेफ्टिनेंट कर्नल रैंक का एक अधिकारी और एक मेजर भी शामिल है। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि बीती रात खैबर पख्तूनख्वा के ओरकजई जिले में कुछ टीटीपी आतंकियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिली थी।

टीटीपी आतंकियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 11 सैनिक

खुफिया सूचना के आधार पर पाकिस्तानी सेना ने कार्रवाई करते हुए इलाके को घेर लिया। पाकिस्तानी सेना और आतंकियों की मुठभेड़ में 11 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। मुठभेड़ के दौरान 19 आतंकियों के भी मारे जाने का दावा किया गया है। मुठभेड़ के बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा इलाके की घेराबंदी कर सर्च अभियान चलाया जा रहा है। मुठभेड़ में मारे गए लेफ्टिनेंट कर्नल की पहचान जुनैद आरिफ के रूप में हुई है। वहीं जुनैद आरिफ के सेकेंड इन कमांड मेजर तैयब राहत की भी इस ऑपरेशन में मौत हो गई।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में आंतकी घटनाएं और हिंसा बढ़ी है। इन राज्यों में आतंकियों द्वारा सेना, पुलिस और जांच एजेंसियों के कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है। टीटीपी और पाकिस्तान सरकार के बीच साल 2022 में संघर्ष विराम टूट गया था, जिसके बाद से टीटीपी के हमले बढ़े हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने विभिन्न रिसर्च स्टडी के हवाले से बताया कि साल 2025 की पहली तीन तिमाही में हिंसा की उतनी घटनाएं हुई हैं, जितनी 2024 में पूरे साल हुईं।

पाकिस्तान के लिए एक दशक का सबसे खूनी साल होगा 2025

पाकिस्तान में पिछले तीन महीनों में आतंकवादी हमलों और सैन्य ऑपरेशनों में कम से कम 901 लोग मारे गए और 599 लोग घायल हुए। यह जानकारी सोमवार को इस्लामाबाद स्थित सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) की नई रिपोर्ट में सामने आई। इस रिपोर्ट के अनुसार, यह पिछले तीन महीनों के मुकाबले हिंसा में 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी दशार्ती है। साल 2025 में अब तक पाकिस्तान में 2414 मौतें दर्ज की जा चुकी हैं, जो लगभग पिछले साल की कुल मौतों (2546) के बराबर हैं। ऐसे में विशेषज्ञ मान रहे हैं कि 2025 साल के अंत तक पाकिस्तान का यह दशक का सबसे खतरनाक साल बन सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मचाडो को अमेरिका प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया, राष्ट्रपति मिलेई की बढ़ी मुश्किलें

अर्जेंटीना। अर्जेंटीना के व्यवसायी फ्रेड मचाडो की मुश्किलें अब और बढ़ गई है। कारण है कि अर्जेंटीना की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को व्यवसायी फ्रेड मचाडो को अमेरिका को प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया है। मचाडो पर अमेरिका में ड्रग तस्करी, पैसे धोखाधड़ी और अन्य गैरकानूनी काम करने के आरोप लगे हैं। हालांकि मचाडो हमेशा से ही इन आरोपों से इनकार करता है।

मचाडो साल 2021 से अर्जेंटीना में पुलिस की हिरासत में है। हाल ही में पता चला कि उसने 2020 में राष्ट्रपति मिलेई की पार्टी के एक नेता जोस लुइस एस्पर्ट को 2 लाख डॉलर भेजे थे। इस बात को लेकर एस्पर्ट ने माना कि यह पैसा उन्होंने एक कंपनी की सलाह के लिए लिया था, लेकिन इस मामले ने राजनीतिक माहौल गरम कर दिया। इसके बाद एस्पर्ट ने अपनी पार्टी की उम्मीदवारी वापस ले ली। अर्जेंटीना के सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की मुश्किलें बढ़ सकती है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि राष्ट्रपति मिलेई की सरकार इस समय अमेरिका से 20 अरब डॉलर की मदद लेने की कोशिश कर रही है ताकि अर्जेंटीना की आर्थिक स्थिति सुधारी जा सके। दूसरी तरफ मिलेई की पार्टी अगले चुनावों में अपनी ताकत बढ़ाना चाहती है, लेकिन यह मामला उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

गौरतलब है कि अपने देश को आर्थिक तंगी से बाहर निकालने के लिए आने वाले 14 अक्तूबर को मिलेई अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने जा रहे है। संभावना इस बात की तेज है कि मिलेई इस दौरान ट्रंप के साथ आर्जेंटीना की आर्थिक स्थितियों पर बात करेंगे। ताकी ट्रंप उनकी मदद कर सकेंगे। अब ऐसे में कोर्ट के इस फैसले से मिलेई की राजनीति पर असर पड़ सकता है क्योंकि वे हाल में कई राजनीतिक झटकों का सामना कर रहे हैं।